ISSN 0974 1666

सी.सी.आर.यू.एम.

न्यूज़लेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 37 • अंक 1–3 जनवरी–सितम्बर 2017

के.यू.चि.अ.प. ने राष्ट्रीय यूनानी दिवस मनाया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर 11 फरवरी 2017 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद में प्रथम राष्ट्रीय यूनानी दिवस मनाने और के.यू.चि.अ.प. पुरस्कार प्रदान करने हेतु समारोह का अयोजन किया।

इस समारोह का अयोजन आयुष मंत्रालय द्वारा यूनानी चिकित्सा में वैज्ञानिक अनुसंधान के संस्थापक और अपने समय के बहुमुखी प्रतिभाशाली हकीम अजमल ख़ाँ के जन्मदिवस 11 फरवरी को राष्ट्रीय यूनानी दिवस घोषित करने और इस अवसर पर यूनानी चिकित्सा पर शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदानकर्त्ताओं को के.यू.चि. अ.प. पुरस्कार से सम्मानित करने के ऐतिहासिक निर्णय के परिणामस्वरूप किया गया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने अध्यक्षता भाषण में कहा कि भारत सरकार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में आयुष पद्धति के प्रचार–प्रसार के लिए ठोस प्रयास कर रही है और इन पद्धतियों के मूलभूत सिंद्धातों के अनुसार इनके विकास और राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल वितरण में इनकी क्षमता का इष्टतम उपयोग करने के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया है। उन्होनें आगे कहा कि यूनानी चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में राष्ट्रीय यूनानी दिवस मनाये जाने की घोषणा का निर्णय एक उचित कदम है।

श्री बंडारू दत्तात्रेय, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्रम एवं रोज़गार

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, श्री बंडारू दत्तात्रेय, डॉ. चारलाकोला लक्ष्मा रेड्डी, श्री मोहम्मद महमूद अली, श्री मगंती गोपीनाथ, श्री पी.एन. रंजीत कुमार, प्रो. रईस–उर–रहमान, डॉ. एम.ए. वहीद और प्रो. वैद्य के.एस. धीमान 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में राष्ट्रीय यूनानी दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रगान के दौरान।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय यूनानी दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

मंत्रालय, भारत सरकार, जोकि इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, ने श्री श्रीपाद येस्सो नाईक के नेतृत्व में 11 फरवरी को राष्ट्रीय यूनानी दिवस के रूप में मनाये जाने के निर्णय की सराहना की और कहा कि हकीम अजमल ख़ाँ ही पहले चिकित्सक थे जो आयुर्वेद और यूनानी पद्धति को एक छत के नीचे लाये और भारत में यूनानी चिकित्सा का विकास करने के लिए प्रशंसनीय योगदान दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री मोहम्मद महमूद अली, माननीय उप–मुख्यमंत्री, तेलंगाना ने कहा कि प्रथम राष्ट्रीय यूनानी दिवस का आयोजन हैदराबाद के लिए बड़े गर्व का विषय है।

डॉ. चारलाकोला लक्ष्मा रेड्डी, माननीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री, तेलंगाना और श्री मगंती गोपीनाथ, विधायक, तेलंगाना और श्री पी. एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं प्रो. रईस–उर–रहमान, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित थे। प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

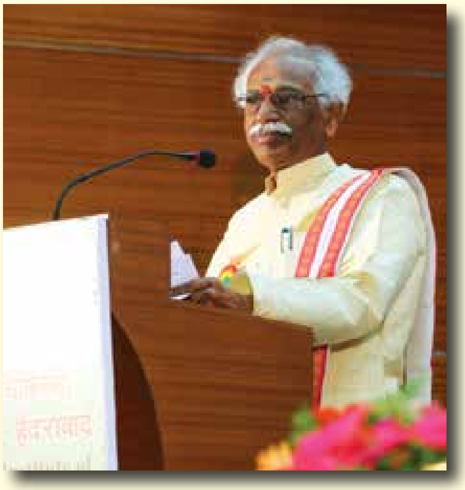

श्री बंडारू दत्तात्रेय, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय, भारत सरकार 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय यूनानी दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

नवनिर्मित के.यू.चि.अ.प. पुरस्कार योजना के अंतर्गत, विभिन्न श्रेणियों के

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के संस्थापक निदेशक हकीम एम.ए. रज़्ज़ाक की विधुर डॉ. उम्मुल फज़्ल 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में अपने पति की ओर से श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय से मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार ग्रहण करती हुईं। श्री बंडारू दत्तात्रेय, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. चारलाकोला लक्ष्मा रेड्डी, माननीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री, तेलंगाना भी देखे जा सकते हैं।

आठ राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से यूनानी चिकित्सा के विभिन्न अनुसंधानिक क्षेत्रों में योगदान के लिए प्रतिष्ठित यूनानी अनुसंधाकर्त्ताओं, शिक्षाविदों और चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। प्रथम श्रेणी में, नैदानिक अनुसंधान के लिए डॉ. सैय्यद मोहम्मद अब्बास ज़ैदी, सहायक प्रोफेसर, एच.एस. ज़ेड.एच. गवर्नमेंट यूनानी मेडिकल कॉलेज, भोपाल और औषधि अनुसंधान के लिए डॉ. मोहम्मद काशिफ़ हुसैन, अनुसंधान अधिकारी (वनस्पति), के.यू. चि.अ.सं., हैदराबाद को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया। द्वितीय श्रेणी में, साहित्यिक अनुसंधान के लिए प्रो. इश्तियाक़ अहमद, आयुर्वेद एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, नई दिल्ली को मरणोपरान्त सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार दिया गया। प्रो. मोहम्मद अख़्तर सिद्दीक़ी, प्रमुख, मुआलजात विभाग, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली को नैदानिक अनुसंधान के लिए और प्रो. गुफ़रान अहमद, इल्मुल अदविया विभाग, अजमल ख़ाँ तिब्बिया कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ को औषधि अनुसंधान के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया। तृतीय श्रेणी में, लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से स्वर्गीय हकीम मोहम्मद अब्दुल रज़्ज़ाक जो के.यू.चि.अ.प. के संस्थापक निदेशक थे, को मरणोपरान्त सम्मानित किया गया। जबकि प्रो. एस. शाकिर जमील, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली को सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद के लिए और डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधानकर्त्ता हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। प्रथम दो श्रेणियों में हर पुरस्कार विजेता ने शॉल, स्मृति चिह्न, प्रमाण–पत्र और दो लाख रुपये का नक़द इनाम प्राप्त किया जबकि तृतीय श्रेणी में नक़द इनाम पांच लाख़ रुपये का था।

श्री बंडारू दत्तात्रेय, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय, भारत सरकार 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में राष्ट्रीय यूनानी दिवस कार्यक्रम के दौरान प्रो. एस. शाकिर जमील, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली को सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान करते हुए। श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और श्री चारलाकोला लक्ष्मा रेड्डी, माननीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री, तेलंगाना भी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा 11 फरवरी 2017 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय यूनानी दिवस कार्यक्रम के दौरान दर्शकों का एक दृष्य।

इस अवसर पर, श्री श्रीपाद येस्सो नाईक ने हाल ही में के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद में कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, तेलगांना और जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के साथ मिलकर आरंभ हुए यूनानी चिकित्सा में एम.डी. और पी.एच. डी. कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। के. यू.चि.अ.प. द्वारा लाए गए छः महत्वपूर्ण प्रकाशन का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर के.यू.चि.अ.प. ने यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर एक दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय यूनानी दिवस और के.यू.चि.अ.प. पुरस्कार समारोह के साथ ही किया गया।

• *नियाज़*

के.यू.चि.अ.प. की कमान में बदलाव

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के महानिदेशक के पद पर जनवरी 2017 और अगस्त 2017 में दो बार बदलाव हुये। एक बार जब प्रो. वैद्य के.एस. धीमान ने और दूसरी बार जब डॉ. अनिल खुराना ने परिषद् के महानिदेशक का अतिरिक्त भार संभाला।

प्रो. धीमान, महानिदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 31 जनवरी 2017 अपराह्न को के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक का अतिरिक्त भार संभाला और छः महीने तक परिषद् के काम–काज को देखते रहे। इस बीच उन्होंने सुचारू रूप से परिषद् की अनुसंधानिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को संभाला और हैदराबाद में राष्ट्रीय यूनानी दिवस समारोह और यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौन्दर्य प्रसाधन पर एक दो दिवसीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

डॉ. अनिल खुराना, उप–महानिदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् ने 2 अगस्त 2017 को के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक का अतिरिक्त भार संभाला। डॉ. खुराना को आयुष चिकित्सा पद्धति में शोध एवं विकास का काफी लम्बा अनुभव है और वह के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक का अतिरिक्त भार संभालने के समय से ही परिषद् के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। के.यू.चि.अ.प. ये आशा करती है कि परिषद् के महानिदेशक प्रभारी के रूप में डॉ. खुराना के गतिशील नेतृत्व में यूनानी चिकित्सा पद्धति में तेज एवं प्रगतिशील अनुसंधान एवं विकास होगा।

के.यू.चि.अ.प. द्वारा दुर्लभ पुस्तकों को डिजिटल करने हेतु परियोजना का प्रमोचन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र ने 8 मार्च 2017 को नई दिल्ली में यूनानी चिकित्सा पद्धति से सम्बन्धित दुर्लभ पुस्तकों और पत्रिकाओं में निहित ज्ञान को सुरक्षित रखने के लिए उनको डिजिटल करने हेतु एक परियोजना का प्रमोचन किया।

प्रो. वैद्य के. एस. धीमान दुलर्भ पुस्तकों और पत्रिकाओं के डिजिटलीकरण के लिए परियोजना का उद्घाटन करते हुए।

औपचारिक रूप से परियोजना का उद्घाटन करते हुए प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक (प्रभारी), के.यू.चि.अ.प. ने कहा कि हमारे पूर्वजों से विरासत में हमें प्राप्त ज्ञान का संरक्षण करना और उत्तराधिकारियों तक पहुंचाना हमारी प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी की उन्नति ने इस कार्य को आसान बना दिया है और मुद्रित रूप में उपलब्ध ज्ञान को संरक्षित करने के लिए डिजिटलीकरण को सबसे अच्छा माना जाता है। इस अवसर पर उन्होंने हाल ही में पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र द्वारा आरंभ की गई 'डेली मेडिकल न्यूज अलर्ट' – अनुसंधानकर्त्ताओं और वैज्ञानिकों के बीच मेडिकल समाचार का प्रसार करने के लिए एक डिजिटल सेवा, की भी प्रशंसा की। उन्होंने मूलतः अविभाजित उपमहाद्वीप और मध्य–पूर्वी देशों में मुद्रित यूनानी चिकित्सा पद्धति की दुर्लभ पुस्तकों के पुनर्मुद्रण की आवश्यकता पर भी बल दिया ताकि वे हमारे राष्ट्रीय डिजिटल विरासत का हिस्सा बन सकें।

इससे पूर्व अपने परिचयात्मक टिप्पणी में पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र से श्री मोहम्मद अज़हर ख़ान, सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी ने बताया कि परियोजना के अन्तर्गत अगले छः माह में दुर्लभ पुस्तकों और पत्रिकाओं के पांच लाख पृष्ठों को डिजिटल रूप दिया जाएगा। श्री सैय्यद शुऐब अहमद, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक ने सूचित किया कि पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र में उपलब्ध यूनानी पांडुलिपियों को परिषद् पहले ही डिजिटल रूप दे चुका है और परिषद् की सभी पुस्तकालयों का डाटा एन.आई.सी. पटल और डेलनेट पर उपलब्ध है जहां दुनिया में कहीं से भी पहुंचा जा सकता है।

डॉ. ज़कीउद्दीन, श्री शमशुल आरफ़ीन और डॉ. अमानुल्लाह ने भी उद्घाटन समारोह को संबोधित किया जिसमें के.यू.चि.अ.प. के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 12–13 फरवरी 2017 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद में यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया। संगोष्ठी में त्वचा रोगों के नियंत्रण और उपचार के लिए यूनानी चिकित्सा पद्धति की सामर्थ्यता और क्षमता का लाभ उठाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

उद्घाटन और समापन सत्रों के अतिरिक्त, संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुतिकरण के लिए आठ तकनीकी सत्र और पोस्टर प्रस्तुतिकरण के लिए दो तकनीकी सत्र थे। कुल 37 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और सात आमंत्रित व्याख्यान दिये गये। कुल 250 प्रतिनिधियों, जिनमें चिकित्सा वैज्ञानिक, शिक्षाविद, शोधकर्त्ता और एम.डी. (यूनानी) शोधछात्र शामिल हैं, के लिए सम्मेलन एक अच्छा मंच साबित हुआ। इस अवसर पर परिषद् के पांच महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन किया गया।

उद्घाटन सत्र

राष्ट्रीय यूनानी दिवस और के.यू.चि.अ.प. पुरस्कार समारोह के साथ ही संगोष्ठी का उद्घाटन 11 फरवरी को श्री बंडारू दत्तात्रेय, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय, भारत सरकार ने श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, श्री मोहम्मद महमूद अली, माननीय उप–मुख्यमंत्री, तेलगांना, डॉ. चारलाकोला लक्ष्मा रेड्डी, माननीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री, तेलंगाना एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. रईस–उर–रहमान, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. की उपस्थिति में किया।

श्री मोहम्मद महमूद अली, माननीय उप–मुख्यमंत्री, तेलगांना 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, डॉ. बंडारू दत्तात्रेय, डॉ. चारलाकोला लक्ष्मा रेड्डी, श्री मोहम्मद महमूद अली, श्री मगंती गोपीनाथ, श्री पी.एन. रंजीत कुमार, डॉ. एम.ए. वहीद और प्रो. वैद्य के.एस. धीमान 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के दौरान केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रकाशित 'नुकुश–ए–अजमल' का विमोचन करते हुए।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, श्री बंडारू दत्तात्रेय, डॉ. चारलाकोला लक्ष्मा रेड्डी, श्री मोहम्मद महमूद अली, श्री मगंती गोपीनाथ, श्री पी.एन. रंजीत कुमार, डॉ. एम.ए. वहीद और प्रो. वैद्य के.एस. धीमान 11 फरवरी 2017 को हैदराबाद में यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह के दौरान केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रकाशित 'यूनानी चिकित्सा पद्धति – स्वास्थ्य एवं उपचार विज्ञान' के नए संकलन का विमोचन करते हुए।

इस अवसर पर परिषद् के पांच नए प्रकाशनों का विमोचन किया गया। 'यूनानी चिकित्सा पद्धति – स्वास्थ्य एवं उपचार विज्ञान' एवं 'भारत में यूनानी चिकित्सा – एक अवलोकन' का विमोचन श्री श्रीपाद येस्सो नाईक ने किया; 'नुकुश–ए–अजमल' और 'मुज़र्रबात–ए–रिज़ाई' का विमोचन श्री बंडारू दत्तात्रेय ने किया और 'सामान्य रोगों के लिए मानक यूनानी उपचार दिशा–निर्देश, खण्ड–।।' का विमोचन श्री मोहम्मद महमूद अली ने किया।

तकनीकी सत्र

12 फरवरी 2017 को अयोजित छः सत्रों में से पहले सत्र की अध्यक्षता प्रो. एस. शाकिर जमील, पूर्व महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और प्रो. इमामुद्दीन, सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, के.यू.चि.अ.प. ने की और प्रो. क़मरूद्दीन, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं अध्यक्ष, मुआलजात (चिकित्सा) विभाग, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद प्रतिवेदक थे। सत्र का आंरभ डॉ. सैय्यद मोहम्मद अब्बास ज़ैदी, सहायक प्रोफेसर, मुआलजात विभाग, एच.एस.ज़ेड.एच. गवर्नमेंट यूनानी मेडिकल कॉलेज, भोपाल के आमंत्रित व्याख्यान के साथ हुआ। उन्होनें त्वचा विकारों में इसके उपयोग के विशेष संदर्भ के साथ यूनानी चिकित्सा पद्धति में लीच थैरेपी पर अपने गहन ज्ञान से लोगों को अवगत कराया। इस सत्र में पांच प्रतिनिधियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। सामान्तर चल रहे दूसरे सत्र की अध्यक्षता प्रो. यासमीन शम्सी, मुआलजात (चिकित्सा) विभाग, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली और डॉ. ज़कीउद्दीन, सहायक निदेशक (यूनानी), के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली ने की और डॉ. जावेद इनाम सिद्दीक़ी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं लेक्चरर, इल्मुल अदविया (औषध विज्ञान), के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद प्रतिवेदक रहे। इस सत्र में कुल चार शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

उस दिन के अन्य चार सत्रों में से एक सत्र की अध्यक्षता प्रो. ए.बी. ख़ान, पूर्व डीन एवं प्रधानाचार्य, अजमल ख़ाँ तिब्बिया कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ और प्रो. ग़ुफ़रान अहमद, इल्मुल अदविया (औषध विज्ञान) विभाग, अजमल ख़ाँ तिब्बिया कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने की और डॉ. मिस्बाहुद्दीन अज़हर, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली प्रतिवेदक रहे। पदमश्री डॉ. एम.ए. वहीद, पूर्व कार्यकारी निदेशक, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने यूनानी चिकित्सा के माध्यम से सोरायसिस और विटिलिगो पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। इस सत्र में, चार प्रतिनिधियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। एक दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. शारिक अली ख़ान, उप निदेशक, क्षे.यू.चि.अ.सं., अलीगढ़ और श्री सुहैल एम. अधमी, परामर्शदाता (जैव सांख्यिकी), के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा की गई और डॉ. मोहम्मद ज़ाकिर, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं लैक्चरर, इल्मुल अदविया (औषध विज्ञान), के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद प्रतिवेदक थे। इस सत्र में तीन प्रतिनिधियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

पांचवे सत्र की अध्यक्षता डॉ. डी. सी. कटोच, प्रो. वैद्य के.एस. धीमान और डॉ. एम.ए. वहीद ने की और डॉ. उज़्मा

विक़ार, रीडर, इल्मुल अदविया (औषध विज्ञान), के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद प्रतिवेदक थीं। इस सत्र में डॉ. शारिक अली ख़ान और डॉ. अज़हर जबीन, सहायक प्रोफेसर, मुआलजात विभाग, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने आमंत्रित व्याख्यान दिया। डॉ. शारिक ने त्वचा रोग के लिए अल–राज़ी के अभिनव दृष्टिकोण पर अपने विचार व्यक्त किए जबकि डॉ. अज़हर जबीन ने त्वचा विकारों के उपचार में इरसाल–ए–अलक़ पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया। इस सत्र में पांच प्रतिनिधियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये। सामानांतर में आयोजित छठे सत्र की अध्यक्षता डॉ. मदन सिंह जाखर, सदस्य, शासी निकाय, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. अमजदुल्लाह, अनुसंधान अधिकारी (पैथ.) ने की जबकि डॉ. अर्ज़ीना जबीन, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) और लैक्चरर, मुआलजात (चिकित्सा) विभाग, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद प्रतिवेदक थीं। इस सत्र में कुल चार शोध पत्र प्रस्तुत हुए।

अगले दिन की कार्यवाही दो सामानांतर सत्रों से आरंभ हुई। पहला सत्र प्रो. अनीस अहमद अंसारी, पूर्व सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. के.एम.वाई. अमीन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ और प्रो. एम. अख़्तर सिद्दीक़ी, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली की अध्यक्षता में शुरू हुआ और डॉ. मोहम्मद नवाब, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं रीडर, मुआलजात (चिकित्सा) विभाग, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद प्रतिवेदक थे। सत्र में प्रो. मुश्ताक़ अहमद, पूर्व निदेशक, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद, प्रो. नीना खन्ना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और डॉ. हामिदुद्दीन, एन.आई.यू.एम., बैगंलुरू ने आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत थे। प्रो. मुश्ताक़ अहमद ने यूनानी चिकित्सा पद्धति में वर्णित बर्स (विटिलिगो) पर अपने विचार व्यक्त किए जबकि प्रो. नीना खन्ना ने त्वचा रोग में स्कोरिंग पद्धति पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया। डॉ. हामिदुद्दीन ने इवोल्यूशन ऑफ कॉस्मेस्यूटीकल्स इन यूनानी मेडिसिनः ए हिस्टोरिकल एण्ड कॉनटेमपोरेरी पर्सपेक्टिव पर अपना व्याख्यान दिया। इस सत्र में पांच शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

अन्य सत्र की अध्यक्षता डॉ. एस. करीमुल्लाह, सहायक निदेशक (यूनानी), के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद और डॉ. नक़ीबुल इस्लाम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) और अध्यक्ष, मुआलजात (चिकित्सा) विभाग, क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर द्वारा की गई और डॉ. तौफीक़ अहमद, रीडर, मुआलजात (चिकित्सा) विभाग, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद प्रतिवेदक थे। इस सत्र में सात शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

समापन सत्र

समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. बी. करूणाकर रेड्डी, उप कुलपति, कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, तेलंगाना ने की। पदमश्री प्रो. सैय्यद खलीफतुल्लाह, पूर्व उपाध्यक्ष, शासी निकाय, के.यू.चि.अ.प. सत्र के मुख्य अतिथि थे। सत्र की शुरुआत

13 फरवरी 2017 को हैदराबाद में यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह के दौरान भव्य जनसमूह का एक दृष्य।

प्रो. अनीस अहमद अंसारी, पूर्व सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार 13 फरवरी 2017 को हैदराबाद में यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए, जबकि प्रो. मुश्ताक़ अहमद, डॉ. मोहम्मद ख़ालिद सिद्दीक़ी, हकीम सैय्यद खलीफतुल्लाह, डॉ. बी. करूणाकर रेड्डी, प्रो. रईस–उर–रहमान, प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, डॉ. उम्मुल फज़ल, डॉ. एम.ए. वहीद और डॉ. मुनव्वर एच. काज़मी मंच पर आसीन हैं।

प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. द्वारा संगोष्ठी की कार्यवाही के संक्षिप्त सारांश के साथ की गई। उन्होनें उद्घाटन सत्र के विचार–विमर्श के अतिरिक्त तकनीकी सत्रों में हुई प्रस्तुतियों को संक्षिप्त में बताया। प्रो. करूणाकर रेड्डी ने अपने समापन सम्बोधन में कहा कि यूनानी चिकित्सा पद्धति के शक्तिशाली क्षेत्र को पहचाना जाना चाहिए और अनुसंधान के लिए कुछ त्वचा रोगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होनें शोध पत्रों और प्रकाशनों पर भी ज़ोर दिया। प्रो. सैय्यद खलीफतुल्लाह और प्रो. रईस–उर–रहमान ने भी सत्र को सम्बोधित किया। सम्मेलन डॉ. मुनव्वर हुसैन क़ाज़मी, निदेशक प्रभारी, के.यू. चि.अ.सं., हैदराबाद के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुआ।

पादप वर्गीकरण पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला में भागीदारी

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर के शोधकर्त्ताओं ने कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में 27–29 मार्च 2017 को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बी.एस.आई.), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पादप वर्गीकरण: सिद्धांत एवं प्रक्रिया पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला का उद्घाटन, डॉ. अज़रा नाहिद कामिली, अध्यक्ष, जीवन विज्ञान संकाय, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर ने किया। कार्यशाला के दौरान अन्य विशेषज्ञ, डॉ. परमजीत सिंह, निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता और डॉ. ओ.पी. शर्मा, निदेशक, परिस्थितिकी, पर्यावरण और रिमोट सेंसिंग, जम्मू एवं कश्मीर भी उपस्थित थे। कार्यशाला में पादप वर्गीकरण के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को विस्तार से बताया गया और प्रतिभागियों को प्रासंगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्रियों का तीसरा सम्मेलन

भ्रमित करने वाले औषधि विज्ञापनों के विरुद्ध कार्यवाही पर ज़ोर

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 22 मार्च 2017 को प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में आयुष पद्धतियों के विकास के लिए एक–दूसरे के साथ बातचीत करने हेतु एक अवसर प्रदान करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्रियों के तीसरे सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से भ्रमित करने वाले औषधि विज्ञापनों के विरुद्ध कार्यवाही करने का आग्रह किया गया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय अपने राज्य समकक्षों श्रीमति के.के. शैलजा टीचर (केरल), श्री बंसीधर बजीआ (राजस्थान) और श्री बादल चौधरी (त्रिपुरा) के साथ 22 मार्च 2017 को प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्रियों के तीसरे सम्मेलन में राष्ट्रगान के दौरान। श्री अजीत मोहन शरण, सचिव; श्री अनिल गनेरीवाला, संयुक्त सचिव; और श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार भी उपस्थित थे।

इस सम्मेलन का उद्देश्य आयुष के प्रसार और उसे मुख्यधारा में लाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करना, पिछले दो सालों के दौरान हुई प्रगति और विकास का निरिक्षण करना और देश में बेहतर और किफायती स्वास्थ्य देखभाल वितरण को सुनिश्चित और प्रभावित करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय को सुनिश्चित करना था।

सम्मेलन का उद्घाटन श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने किया और 23 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के आयुष/स्वास्थ्य मंत्री/सचिव और अधिकारियों; आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों; और आयुष संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

अपने उद्घाटन सम्बोधन में, श्री श्रीपाद येस्सो नाईक ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के एक साधन के तौर पर पारंपरिक चिकित्सा के तर्कसंगत विस्तार का समर्थन करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पारंपरिक चिकित्सा की क्षमताओं के उपयोग, परंपरागत चिकित्सा अभ्यास में क्षमता निर्माण और जनता के बीच पारंपरिक औषधियों के लाभ की जागरूकता विकसित करने की भी वकालत करता है। श्री नाईक ने सभी राज्य सरकारों से विश्व स्वास्थ्य संगठन की सलाह पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करने की अपील की।

श्री श्रीपाद नाईक ने सभी राज्य सरकारों से मेडिकल आपातकाल स्थितियों से निपटने हेतु आयुष पद्धतियों को सक्षम बनाने के लिए अपने राज्य चिकित्सक व्यवसायी अधिनियम में संशोधन पर विचार करने के लिए भी आग्रह किया। उन्होनें बताया कि महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य अपने अधिनियमों में पहले ही ऐसे संशोधन कर चुके हैं। उन्होनें आगे बताया कि मंत्रालय आयुष शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा है। उन्होनें राज्य सरकारों को आयुष कॉलेजों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यानपूर्वक निगरानी रखने और उसे सुनिश्चित करने का सुझाव दिया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष अपने राज्य समकक्षों श्रीमति के.के. शैलजा टीचर (केरल), श्री बंसीधर बजीआ (राजस्थान) और श्री बादल चौधरी (त्रिपुरा) के साथ 22 मार्च 2017 को प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्रियों के तीसरे सम्मेलन में दीपक ज्योति करते हुए। श्री अनिल गनेरीवाला और श्री पी.एन. रंजीत कुमार भी देखे जा सकते हैं।

मंत्री जी ने प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में आयुष औषधियों के बारे में प्रदर्शित किये जाने वाले भ्रमित विज्ञापनों पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होनें बताया कि केंद्र सरकार ने आयुष परियोजनाओं से सम्बन्धित ऐसे कपटपूर्ण दावों पर रोक लगाने के लिए भारतीय विज्ञापन परिषद् के साथ समझौता ज्ञापन किया है। उन्होनें कहा कि राज्य सरकारें इस तरह के विज्ञापनों को उपरोक्त परिषद् की नोटिस में ला सकती हैं। मंत्री जी ने यह भी बताया कि मंत्रालय ने मधुमेह की रोकथाम और नियंत्रण के लिए आयुर्वेद प्रोटोकॉल और योग प्रोटोकॉल विकसित किया है। श्री श्रीपाद नाईक ने यह भी बताया कि एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि बीमा कंपनियां आयुष उपचार पर किये गये व्यय के लिए पॉलिसीधारकों द्वारा किए गए प्रतिपूर्ति के दावों को भी स्वीकृत कर रही हैं।

इस अवसर पर, श्रीमती के.के. शैलजा टीचर, स्वास्थ्य एवं सामाजिक न्याय मंत्री, केरल सरकार ने कहा कि उन्होनें राज्य में एक अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होनें आयुष पद्धति की शक्तियों का प्रचार करने के लिए आयुष क्षेत्रों में अधिक अस्पताल शुरू करने पर ज़ोर दिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, राजस्थान सरकार श्री बंसीधर बजीआ और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, त्रिपुरा सरकार श्री बादल चौधरी ने भी आयुष का प्रचार करने के लिए उनकी सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों और कार्यक्रमों के बारें में बताया।

गणमान्यों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, श्री अजीत एम. शरण, सचिव, आयुष, भारत सरकार ने नवंबर 2014 में स्वतंत्र मंत्रालय का दर्जा दिए जाने से अब तक की आयुष मंत्रालय की उपलब्धियों और उठाए गऐ कदमों के बारे में जानकारी दी।

उद्घाटन सत्र के बाद श्री अनिल कुमार गनेरीवाला, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने गुणवत्ता नियंत्रण, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और रोगों के वर्गीकरण पर कार्य का अवलोकन किया। श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने अनुसंधान के क्षेत्र में आयुष मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया। श्री फ्रेंकलीन एल. खोबंग, निदेशक, आयुष, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में आयुष की शिक्षा, विनियमन और एकीकरण के क्षेत्र में उठाए गए कदमों के बारे में बताया। श्रीमती पदमप्रिय बालकृष्णन, उप–मुख्य कार्यपालक अधिकारी, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड ने इस क्षेत्र का विकास करने हेतु बोर्ड और मंत्रालय के प्रयासों का मूल्यांकन किया।

राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों ने आयुष के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के कार्यान्वयन में अपनी समस्याओं को बताया और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से संबंधित अधिकारियों ने उन समस्याओं का समाधान बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. गज़ाला जावेद, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, आयुष मंत्रालय में कार्यरत केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की एक वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, ने किया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष 22 मार्च 2017 को प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्रियों के तीसरे सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए।

परिषद् की शोधकर्ता का 'इण्डियाज़ मोस्ट पॉवरफुल वेमेन' में चित्रण

डॉ. ग़ज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् को पत्रकार और महिला अधिकार कार्यकर्ता श्रीमती प्रेम अहलूवालिया ने अपनी पुस्तक 'इण्डियाज़ मोस्ट पॉवरफुल वेमेन' (भारत की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाएं) में चित्रित किया है।

यंग एशिया पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक राजनीति, सामाजिक कार्य, व्यवसाय और कॉर्पोरेट, चिकित्सा, खेल, कला और संस्कृति और मनोरंजन के क्षेत्र से संबंधित महिलाओं को चित्रित करती है। लेखिका के अनुसार ये महिलाएं अपने संबंधित क्षेत्र में अत्यधिक सफल और युवा महिलाओं के लिए उनके पेशे में प्रेरणास्रोत हैं। ये विभिन्न आयु समूहों और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित हैं फिर भी इनका कार्य आशा और सफलता की एक नई कहानी को एक साथ आलेखित करता है।

डॉ. ग़ज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) (वैज्ञानिक IV), जो वर्तमान में आयुष मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग में कार्यरत हैं, को पुस्तक के 'दि हीलिंग टच' नामक अध्याय में दर्शाया गया है और 'दि फेस ऑफ यूनानी' बताया गया है।

अध्याय में उनके संघर्षों और उपलब्धियों को बताते हुए उनके निजी जीवन और व्यवसायिक यात्रा पर प्रकाश डाला गया है। अध्याय उनके जीवन में बाधाओं के प्रति साहस और ज्ञान को उजागर करता है। एक पेशेवर के रूप में वे विभिन्न भूमिकाओं जैसे एक चिकित्सक, अनुसंधानकर्त्ता, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, विभिन्न राष्ट्रीय एवं अतंराष्ट्रीय मंच पर सरकारी प्रतिनिधि के रूप में शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम रहीं।

इस पुस्तक का विमोचन 8 मार्च 2016 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्री तालेब रिफाई, महा सचिव, विश्व पर्यटन संगठन (यू.एन. डब्ल्यू.टी.ओ.), द्वारा बर्लिन, जर्मनी में किया गया।। यह पुस्तक 28 जुलाई 2016 को राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी को भी प्रस्तुत की गई।

यह केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के लिए गर्व की बात है कि डॉ. गज़ाला को श्रीमति सोनिया गांधी, डॉ. नजमा हेपतुल्ला, श्रीमति सुषमा स्वराज, श्रीमति बीना मोदी, श्रीमति नीता अम्बानी, श्रीमति सुनिता नारायण, सुश्री लता मंगेशकर, श्रीमति शहनाज़ हुसैन, श्रीमति सानिया मिर्ज़ा, श्रीमति किरण बेदी और श्रीमति मोहिनी गिरि के समान पुस्तक में चित्रित किया गया है।

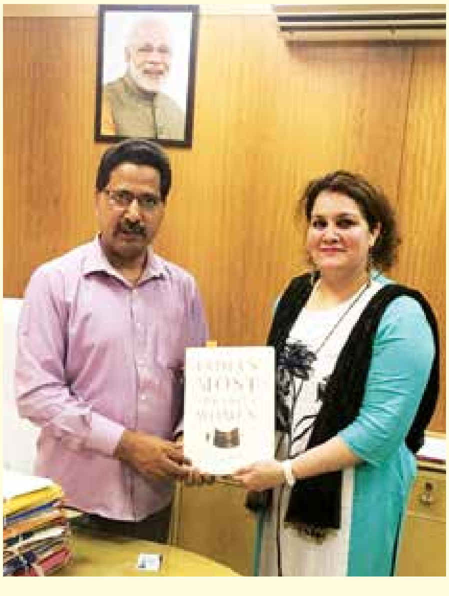

डॉ. गज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) (वैज्ञानिक–IV), केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् राष्ट्रपति भवन में 28 जुलाई 2016 भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी को पुस्तक प्रस्तुतीकरण के दौरान। दूसरे चित्र में डॉ. गज़ाला जावेद प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक (प्रभारी), के.यू.चि.अ.प. को एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करती हुई।

विश्व यूनानी फाउंडेशन द्वारा विश्व यूनानी कांग्रेस का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 6–7 मार्च 2017 के दौरान राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद्, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विश्व यूनानी संगठन, भारत ने प्रथम विश्व यूनानी कांग्रेस आयोजित किया। इस कांग्रेस में के.यू.चि.अ.प. के शोधकर्त्ताओं ने भाग लिया।

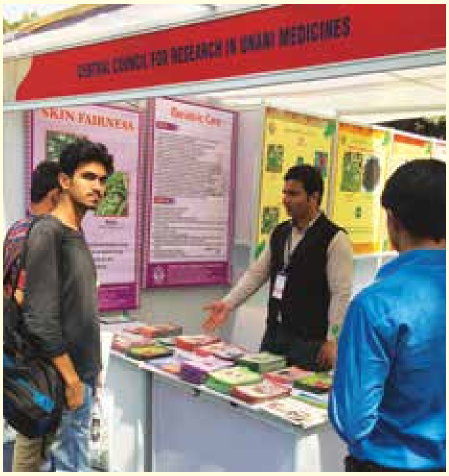

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 6–7 मार्च 2017 को विश्व यूनानी संगठन द्वारा आयोजित प्रथम विश्व यूनानी कांग्रेस के दौरान केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के स्टॉल का एक दृश्य।

इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. रईस–उर–रहमान, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार थे। उन्होंनें अपने भाषण में कहा कि वैज्ञानिक तरीकों पर आधारित यूनानी चिकित्सीय शोध अंतर्राष्ट्रीय नियामक एजेंसियों की आवश्यकता अनुसार प्रणाली को विकसित करने के लिए उपयोगी होगा। प्रो. तलत अहमद, कुलपति, जामिया मिल्लिया, इस्लामिया, नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की जबकि डॉ. डी.सी. कटोच, सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री हामिद अहमद, मुख्य निष्पादन अधिकारी/निदेशक, हमदर्द लेबोरेटरीज़ (भारत) इस समारोह के सम्मानीय अतिथि थे। इस समारोह में प्रमुख संबोधन प्रो. के.एम.वाई अमीन, इल्मुल अदविया विभाग, अजमल ख़ाँ तिब्बिया कॉलेज, ए.एम.यू., अलीगढ़ द्वारा दिया गया। समापन सत्र सम्बोधन प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक (प्रभारी), के.यू.चि.अ.प, नई दिल्ली द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत यूनानी चिकित्सा में वैज्ञानिक प्रगति, नवीन दृष्टिकोण और भावी चुनौतियों पर विचार विमर्श किया गया जिसमें 94 मौखिक पत्र एवं 82 पोस्टर प्रस्तुतिकरण किए गए। इस कार्यक्रम में 10 अंतर्राष्ट्रीय और 300 राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक (प्रभारी), केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 6–7 मार्च 2017 के दौरान विश्व यूनानी संगठन द्वारा आयोजित प्रथम विश्व यूनानी कांग्रेस के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए।

मधुमेह हेतु योग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने 4–6 जनवरी 2017 को नई दिल्ली में मधुमेह हेतु योग पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन – 2017 का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने मधुमेह के उपचार एवं रोकथाम में योग की भूमिका पर ज़ोर दिया।

श्री नाईक ने बताया कि संस्कृति के लिये विश्व की सर्वोच्च संस्था यूनेस्को ने हाल ही में योग को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया है। मंत्री जी ने बताया कि यह योग की सार्वभौमिक प्रासंगिकता का परिज्ञान है जो राष्ट्रीय सीमाओं से परे इसके सम्मान को बढ़ाएगा। उन्होनें प्रतिभागियों से योग के माध्यम से मधुमेह के नियंत्रण हेतु एक रोड मैप तैयार करने के लिए भी आग्रह किया।

सम्मेलन में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न अनुसंधान परिषदों और संस्थानों ने भाग लिया तथा अनुसंधान क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों और शैक्षणिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया। केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने भी अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करने के लिए एक स्टॉल लगाया जिसका हज़ारों अंगुतकों ने दौरा किया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार 4 जनवरी 2017 को नई दिल्ली में मधुमेह हेतु योग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान दीपक ज्योति करते हुए। डॉ. एच.आर. नागेन्द्र, अध्यक्ष, विवेकानंद अनुसंधान संस्थान और श्री अजीत मोहन शरण, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार भी उपस्थित थे।

आरोग्य वेलनेस टूरिज़्म एक्सपो-2017 में भागीदारी

परिषद् के नैदानिक अनुसंधान एकक, एडाथला, केरल ने 18–21 फरवरी 2017 के दौरान तिरुवनंतपुरम, केरल में हुए चार दिवसीय आरोग्य वेलनेस टूरिज़्म एक्सपो – 2017 में भाग लिया।

नैदानिक अनुसंधान एकक, एडाथला ने परिषद् की अनुसंधान गतिविधियों, उपलब्धियों और प्रकाशनों का प्रदर्शन किया। एकक ने यूनानी चिकित्सा पद्धति की अवधारणाओं को उजागर करने वाले विभिन्न पोस्टरों और चार्टों का भी प्रदर्शन किया। स्वस्थ जीवन के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए और रोगों के उपचार एवं स्वास्थ्य प्रोत्साहन में यूनानी चिकित्सा की भागीदारी, यूनानी चिकित्सा पर साहित्य और कुछ जटिल एवं साधारण रोगों के उपचार पर सफल कहानियों का भी आंगुतकों के मध्य वितरण किया गया। आंगुतकों को निःशुल्क परामर्श प्रदान करने के लिए चिकित्सकों को भी रखा गया था।

के.यू.चि.अ.प. की जिगनासा-2017 में भागीदारी

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 10–12 फरवरी 2017 को सरस्वती मंडपम, पूजापूरा, केरल में विद्यार्थी सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित जिगनासा 2017, भारतीय चिकित्सा पद्धतियों पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रदर्शनी, में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री कामिनेनी श्रीनिवास, माननीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार ने डॉ. सत्यनारायण, विधान सभा सदस्य, आंध्र प्रदेश एवं कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया।

जिगनासा विद्यार्थी सेवा ट्रस्ट की एक पहल है जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) पद्धति से सम्बन्धित समस्त चीज़ों को सम्बोधित करने के लिए एक मंच है। विदेशियों सहित 504 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस अतंर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया जिसका विषय 'भारतवर्ष में स्वास्थ्य परंपराओं का अभिसरण' था। जिम्बाब्वे और तुर्की के प्रतिनिधियों ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति पर ज्ञान साझा करने के लिए देश के 23 राज्यों के प्रतिनिधियों से बातचीत की।

कार्यशाला में लगभग 200 स्टॉल लगाए गए जिन्होनें भारत में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के महत्व एवं विविधता और उपचार प्रक्रियाओं तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल में उनकी भूमिका को प्रदर्शित किया। केंद्रीय और राज्य सरकारी विभागों, गैर सरकारी संगठनों, पारंपरिक एवं जनजातीय चिकित्सकों, औषधीय पौधशालाओं एवं उद्यानों और स्वास्थ्य संबंधी उद्यागों ने अपने उत्पादनों का प्रदर्शन किया। के. यू.चि.अ.प. ने इस कार्यशाला में भाग लिया और अपने स्टॉल के माध्यम से अनुसंधान कार्यक्रमों में अपनी उपलब्धियों और अन्य गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

ज्ञान उत्पादन, खोज एवं नेटवर्किंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) के कर्मचारियों ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के सहयोग से 15–16 फरवरी 2017 के दौरान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (ए.एम.यू.), अलीगढ़ द्वारा ज्ञान उत्पादन, खोज एवं नेटवर्किंग (के.जी.डी.ए.एन) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. पी.बी. मंगला, पूर्व टैगोर नेशनल फेलो, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डॉ. गोपाल भूषण, प्रो. एन. लक्ष्मण राव, ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) सैय्यद अहमद अली, प्रो. गेब्रील गोमेज़ और प्रो. शबाहत हुसैन की उपस्थिति में किया गया।

सम्मेलन का मुख्य विषय ''पुस्तकालय एवं सूचना केंद्रों में ज्ञान उत्पादन, खोज, साझाकरण एवं नेटवर्किंग और वर्तमान रुझान'' था। सम्मेलन में भारत, अमेरिका और बांग्लादेश से 102 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इनमें से 26 ने पांच तकनीकी सत्रों में अपने पत्रों को प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, ''पुस्तकालय में ज्ञान प्रबधंन का कार्यान्वयन और ग्रहण – प्रभाव का परिमाण एवं भविष्य की प्रयोज्यता'' पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

के.यू.चि.अ.प. से श्री मसूद–उज़–ज़फर ख़ान और श्री मो. हाशिम सिद्दक़ी ने सम्मेलन में भाग लिया और चौथे और पांचवे तकनीकी सत्रों में प्रतिवेदक के रूप में कार्य किया।

''अगर हम हर व्यक्ति को सही मात्रा में पोषण और व्यायाम दे पाते, ना तो बहुत कम, ना बहुत ज़्यादा, तो हमें स्वास्थ्य का सबसे सुरक्षित रास्ता मिल जाता।''

– हिप्पोक्रेट्स (सी. 460 ई.पु. – सी. 377 ई.पु.)

के.यू.चि.अ.प. की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

परिषद् की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एस.ए.सी.) की 50वीं बैठक का आयोजन 21 जनवरी 2017 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद में किया गया और पिछली वैज्ञानिक सलाहकार समिति की अवधि के पश्चात् संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में चर्चा की गई। समिति ने परिषद् द्वारा यूनानी चिकित्सा में एम.डी. और पी.एच.डी. कार्यक्रमों की शुरुआत को बहुत ही गौरवपूर्ण माना। एस.ए.सी. ने परिषद् की जारी अनुसंधान गतिविधियों, नए अनुसंधान प्रस्तावों और अन्य गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

बैठक पद्मश्री डॉ. एम.ए. वहीद की अध्यक्षता में आयोजित की गई और प्रो. सैय्यद शाकिर जमील, प्रो. सैय्यद इमामुद्दीन अहमद, डॉ. यासमीन शम्सी, प्रो. मुश्ताक़ अहमद, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव और परिषद् के महानिदेशक प्रभारी प्रो. रईस–उर–रहमान तथा अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. सैय्यद असद पाशा विशेष आमंत्रित के रूप में बैठक में उपस्थित हुए। कुछ सदस्य बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

अपने परिचयात्मक सम्बोधन में प्रो. रईस–उर–रहमान ने एस.ए.सी. को सूचित किया कि परिषद् ने यूनानी चिकित्सा में एम.डी. मुआलजात (मेडिसन) और इल्म अल–अदविया (औषधविज्ञान) प्रत्येक सात सीटों के साथ केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर में क्रमशः कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, वारंगल (तेलंगाना) और कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर की संबद्धता में आरम्भ किया। उन्होनें यह भी बताया कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के साथ मुआलजात (मेडीसिन) और इल्म अल–अदविया (औषधविज्ञान) में पी.एच.डी. प्रत्येक तीन सीटों के साथ के लिए सहबद्धता को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

डॉ. एम.ए. वहीद ने परिषद् द्वारा की गई प्रगति और नईं पहलों की सराहना की। समिति ने के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद में यूनानी चिकित्सा में त्वचा रोग एवं सौंदर्य प्रसाधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन को संस्तुति दी। समिति ने 11 फरवरी को हकीम अजमल ख़ाँ की जयंती पर मनाये जाने वाले राष्ट्रीय यूनानी दिवस के अवसर पर यूनानी चिकित्सा के अनुसंधानकर्त्ताओं और अकादमिकों को पुरस्कार प्रदान किए जाने की योजना को संस्तुति प्रदान की। समिति ने केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद एवं लखनऊ और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में इलाज–बित–तदबीर (संघटित चिकित्सा) इकाई की स्थापना के प्रस्ताव को भी संस्तुति प्रदान की। समिति ने अलीगढ़ (यू.पी.), देहरादून (उत्तराखण्ड) और करीमगंज (तेलंगाना) में एन.पी.सी.डी.सी.एस. में यूनानी चिकित्सा के समाकलन की परियोजना के विस्तार के प्रस्ताव पर विचार किया और संस्तुति दी। समिति ने यह भी सुझाव दिया कि इंस्टिट्यूट ऑफ साइटोलॉजी एण्ड प्रिवेंटिव ऑनकॉलोजी, नोएडा के सहयोग से ज़िला ग़ाज़ियाबाद हेतु इस परियोजना की योजना बनाई जा सकती है।

समिति ने स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम और एन.पी.सी.डी.सी.एस. की प्रथम वर्ष में हुई प्रगति पर विचार–विमर्श किया और द्वितीय वर्ष के लिए परियोजनाओं को संस्तुति दी। जन–जातियों हेतु उप–योजना के अन्तर्गत गतिविधियों के पुनर्गठन के लिए प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। अनुसंधान उप–समितियों के गठन के संबंध में, एस.ए.सी. ने महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. को ऐसी समिति का गठन करने और एस.ए.सी. को सूचित करने के लिए प्राधिकृत किया। समिति ने यूनानी साहित्य को पांच विदेशी भाषाओं अर्थात् स्पेनिश, रूसी, जर्मन, फ्रांसीसी, चीनी में अनुवाद के विचार का स्वागत किया और इस उद्देश्य के लिए कुछ अन्य भाषाएं जैसे अरबी, फ़ारसी, हिन्दी और अंग्रेज़ी को सम्मिलित किया। इसके अतिरिक्त, समिति ने विभिन्न अनुसंधान प्रस्तावों और आवंटनों पर विचार किया और संस्तुति दी। कार्यसूची की विषय–वस्तु में परिषद् एवं इसके केन्द्रों में सुचारू रूप से कार्य करने के लिए परिषद् द्वारा रखे गए कुछ प्रशासनिक प्रस्तावों जैसे लैब उपकरण की खरीदारी, वाहनों की खरीदारी, अनुसंधान अधिकारियों के विभिन्न पदों के लिए भर्ती नियमों, अस्पतालों और कार्यालयों हेतु फर्नीचर की खरीद इत्यादि को भी समिति ने संस्तुति दी।

एसएफईसी-2017 में भागीदारी

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के शोधकर्त्ताओं ने उका तर्सडिया युनिवर्सिटी और सोसायटी फॉर एथनोफॉर्माकोलोजी, भारत के संयुक्त तत्वावधान के अंतर्गत 23–25 फरवरी 2017 को सूरत में आयोजित '21वीं सदी में स्वास्थ्य सेवा: एथनोफॉर्माकोलोजी और औषधीय पादप अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य' विषय पर आधारित सोसायटी फॉर एथनोफॉर्माकोलोजी की चौथी अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया।

कांग्रेस पूर्व–सम्मेलन कार्यशालाओं के साथ शुरू हुई जो कांग्रेस में प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान से संबंधित विभिन्न प्राविधिकताओं पर विचार करने के लिए आयोजित किये गए थे। इन कार्यशालाओं में दुनियाभर के 100 से अधिक वैज्ञानिकों ने अपने मूल्यवान अनुभव साझा किया। प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. ने 'एथनोफॉर्माकोलोजी: भूत, वर्तमान और भविष्य' पर मुख्य व्याख्यान दिया।

कांग्रेस ने वैश्वीकृत युग में एथनोफॉर्माकोलोजी और औषधीय पादपों के स्वरूप, प्राकृतिक उत्पाद आधारित विकास – अवसर एवं चुनौती, वर्तमान परिदृश्य में औषधीय पादपों का एथनोबोटेनिकल और औषधीय अध्ययन: एथनोफॉर्माकोलोजी और पारंपरिक स्वास्थ्य प्रथा, औषधीय पादपों के अनुसंधान में रुझान, औषधीय पादपों की भूमिका, औषधीय पादपों का संरक्षण और प्रचार इत्यादि पर ध्यान केंद्रित किया।

परिषद् के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई से डॉ. मुर्गेश्वरन, अनुसंधान अधिकारी (वनस्पति) और डॉ. पवन कुमार सागर, अनुसंधान अधिकारी (रसायन) ने कांग्रेस में भाग लिया और क्रमशः 'तमिलनाडु के पश्चिमी घाट में उपयोगी लोक औषधीय पौधे और उनकी विविधता स्थिति' और 'आयुर्वेद, सिद्ध एवं यूनानी औषधियों में डॉयबिटिज़ के उपचार में प्रयोग होने वाले चुने हुए उभरती प्रवृत्तियां' नामक शोध पत्र प्रस्तुत किये।

आधुनिक जीव विज्ञान में प्रयोगशाला चिकित्सा की क्रांति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने 15–17 फरवरी 2017 को मुम्बई में राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित आधुनिक जीव विज्ञान में प्रयोगशाला चिकित्सा की क्रांति पर हुए अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

इस सम्मेलन में अतिथि व्याख्यान, भाषण, विचार गोष्ठी, पैनल चर्चा, पारस्परिक सत्र, पोस्टर प्रस्तुतिकरण किए गए जोकि प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान की दिन प्रतिदिन की सामान्य समस्याओं के प्रयोगशाला निदान एवं साथ ही साथ इस क्षेत्र में हुई नवीन प्रगति से संबंधित थे। इसमें अत्याधिक विषयों को आच्छादित किया गया जिसमें रक्त–आघान चिकित्सा, लाल कोशिका संबंधी विकार, रूधिरविज्ञान संबंधी असाध्यता, कोशिका आनुवंशिकी एवं जीनोमिक्स अस्थिरता संलक्षण, जीन संशोधन/चिकित्सा, मूल कोशिका जीव विज्ञान, प्राथमिक प्रतिरक्षा अभाव, रक्तस्तम्भन एवं थ्रोमबोसोसिस, विकसित आणविक निदान प्रौद्योगिकियां शामिल थे। परिषद् के सम्बन्धित क्षेत्रों में कार्यरत अनुसंधानकर्त्ताओं ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

श्रीनगर में राजभाषा पर कार्यशाला

परिषद के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), श्रीनगर ने 27 मार्च 2017 को श्रीनगर में राजभाषा प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर और डॉ. मोहम्मद मेराज अहमद, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, और डॉ. ज़ाहिदा जबीन, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर ने कार्यशाला को सम्बोधित किया। इन्होनें राजभाषा में कार्य करने के कौशल को सुधारने के तरीके बताए और संस्थान के कर्मचारियों को इसको बढ़ावा देने के लिए अधिकतम प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

के.यू.चि.अ.प. द्वारा डेली मेडिकल न्यूज़ अपडेट का विस्तार

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र ने 24 मई 2017 से आयुष मंत्रालय के अन्तर्गत सभी परिषद् के शोधकर्त्ताओं और अन्य कर्मचारियों को आच्छादित करने के लिए अपनी ई–मेल आधारित सेवा 'डेली मेडिकल न्यूज़ अपडेट' की पहुंच का विस्तार किया। इससे पूर्व 'डेली मेडिकल न्यूज़ अलर्ट' नामित यह सेवा के.यू.चि.अ.प. के कर्मियों तक ही सीमित थी।

डेली मेडिकल न्यूज़ अपडेट की पंहुच को विस्तरित करने की पहल का विचार प्रो. वैद्य के.एस. धीमान, महानिदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. का था। उन्होनें यह विचार 24 मार्च 2017 को एक बैठक के माध्यम से अन्य अनुसंधान परिषदों के महानिदेशकों के पास रखा। इस विचार का उनके द्वारा स्वागत किया गया और तदनुसार 527 कर्मियों की एक ई–मेल सूची तैयार की गई और 24 मई 2017 से सेवा का प्रसार आरंभ किया गया।

डेली मेडिकल न्यूज़ अपडेट राष्ट्रीय समाचार पत्रों से स्वास्थ्य, चिकित्सा और पर्यावरण संबंधित विषयों के समाचार उनके वेबलिंक सहित कवर करता है और केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् और केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् सहित केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के चिकित्सकों, शोधकर्त्ताओं और अधिकारियों तक ईमेल द्वारा प्रसारित करता है।

डिजिटल लाइसेंसिंग पर संगोष्ठी में भागीदारी

राष्ट्रीय क़ानून विश्वविद्यालय, दिल्ली ने 9 अगस्त 2017 को नई दिल्ली में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन के जन्मदिवस के अवसर पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित अन्य भागीदारों के सहयोग से 'डिजिटल लाइसेंसिंग: स्मार्ट डिसीज़न्स फॉर स्मार्ट लाइब्रेरीज़' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य प्रकाशन उद्योग के साथ हस्ताक्षरित लाइसेंस समझौते से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर पुस्तकालय से संबंधित लोगों के मध्य जागरूकता पैदा करना था ताकि पाठकों को बंडल या व्यक्तिगत सदस्यता/खरीद के द्वारा डिजिटल संसाधनों तक पहुंच प्रदान की जा सके। संगोष्ठी के चार तकनीकी सत्रों में लाइसेंसदाताओं द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों की विशिष्ट भाषा के कारण लाइसेंसिंग समझौतों/समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने में पुस्तकालयाध्यक्षों को हो रही कठिनाईयों के समाधान पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी में देश के सात राज्यों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। के.यू.चि.अ.प. से श्री मोहम्मद अज़हर ख़ान और श्री सैय्यद शुएब अहमद संगोष्ठी में उपस्थित हुए और लाभान्वित हुए।

पुस्तकालय विज्ञान पर सम्मेलन में भागीदारी

के.यू.चि.अ.प. ने केन्द्रीय सरकारी पुस्तकालय संगठन और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी द्वारा 21–23 फरवरी के दौरान, देहरादून में 'कनेक्टिंग माइन्ड्स: क्रिएटिंग फ़्युचर – दी पैराडिग्म शिफ़्ट' पर आयोजित सातवें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए डॉ. के.के. पॉल, माननीय राज्यपाल, उत्तराखंड ने कहा कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विकास से पैदा हई चुनौतियों का सामना करने के लिए पुस्तकालयों को खुद को तैयार करना चाहिए और वर्तमान पीढ़ी के पाठकों को अपनी प्रासंगिकता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंनें इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पुस्कालयों को नई पीढ़ी के समक्ष न केवल ई–पुस्तकों बल्कि वास्तविक पुस्तकों को पढ़ने में रूचि को प्रोत्साहित करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंनें इस बात पर भी जोर दिया कि पुस्तकालयों को सूचना भंडार के रूप में पुन: अनुकूल करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन के पाँच तकनीकी सत्रों में कुल 23 पत्र प्रस्तुत किए गए और इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

क्षे.यू.चि.अ.सं., पटना में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री का दौरा

डॉ. अब्दुल ग़फूर, माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार सरकार ने 21 फरवरी 2017 को क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), पटना का दौरा किया और संस्थान की कार्यप्रणाली समझने के लिए इसकी चिकित्सा व्यवस्था एवं सेवाओं, ओ.पी.डी., आई.पी.डी., अनुसंधान प्रयोगशाला और पुस्तकालय का निरीक्षण किया।

संस्थान के अनुसंधान अधिकारी प्रभारी डॉ. इश्तियाक़ आलम ने उनका स्वागत किया और संस्थान में रोगियों के उपचार हेतु उपलब्ध सुविधाओं और कार्यप्रणाली से अवगत कराया। माननीय मंत्री को यूनानी चिकित्सा के माध्यम से कुछ जटिल रोगों जैसे गठिया, खुजली, छाजन का उपचार करने में संस्थान की विशेषता के बारे में भी जानकारी दी गई।

अपने दौरे के दौरान, माननीय मंत्री ने रोगियों से बातचीत की और उनके स्वास्थ्य, कल्याण एवं संस्थान द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बारे में पूछताछ की। इसके अतिरिक्त, रोगियों को वितरित की जा रही औषधियों की जानकारी ली और औषधियों की पैकिंग की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह संस्थान में डॉक्टरों के रिक्त पदों को भरने के लिए आवश्यक क़दम उठाएंगे।

इलाज-बित्त-तदबीर पर सी.एम.ई. में भागीदारी

इलाज–बित्त–तदबीर विभाग, यूनानी चिकित्सा संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने 6–11 मार्च 2017 को अलीगढ़ में इलाज–बित्त–तदबीर पर छः दिन का निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया। परिषद् के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, अलीगढ़ से शोधकर्त्ताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य यूनानी चिकित्सा में इलाज–बित्त–तदबीर का महत्व, स्वास्थ्य के रख–रखाव और रोगों के उपचार और आधुनिक युग में उसकी प्रासंगिकता को उजागर करना था। उद्‌घाटन समारोह के अतिरिक्त कार्यक्रम में इलाज–बित्त–तदबीर की विभिन्न विधियों पर बारह व्याख्यान एवं व्यवहारिक सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षकों में प्रो. मुश्ताक अहमद, प्रो. गज़ाला मुल्ला, प्रो. एस. नफीस बानों, प्रो. अनीस इस्माइल, प्रो. अब्दुल क़वी, प्रो. अरूण मुखर्जी, प्रो. ब्रिज भूषण सिंह और प्रो. अनीस अहमद अंसारी शामिल थे। कार्यक्रम में के.यू.चि.अ.प. के शोधकर्त्ता/अधिकारीगण सहित 30 चयनित प्रतिभागी शामिल हुए।

पंजीकरण सं. 34691/80

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ़्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं।* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *में प्रकाशित सामग्री को* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।*

मुख्य संपादक
अनिल खुराना

कार्यकारी संपादक
मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति
नाहीद परवीन
गज़ाला जावेद
टी. मैथीलगन
शबनम सिद्दीक़ी

संपादकीय कार्यालय
केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
61–65, इंस्टीटयूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली–110 058

दूरभाषः +91–11/28521981, 28525982, 28525983, 28525831, 28525852, 28525862, 28525883, 28525897, 28520501, 28522524
फैक्सः +91–11/28522965
ई–मेलः unanimedicine@gmail.com
वेबसाइटः http://ccrum.res.in

मुद्रणः इण्डिया ऑफसैट प्रैस, ए–1, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, मायापुरी, नई दिल्ली–110064

ISSN 0974 1666

CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 37 • Number 1-3

January–September 2017

CCRUM Celebrates National Unani Day

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), on the directive of the Ministry of AYUSH, Government of India, organized a function to celebrate 1st National Unani Day and confer CCRUM Award at the Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad on 11 February 2017.

The function was organized in the wake of the milestone decision taken by the Ministry of AYUSH to declare 11th February, the birthday of Hakim Ajmal Khan – a versatile genius and founder of scientific research in Unani Medicine – as National Unani Day and confer CCRUM Award on the outstanding contributors in the field of research in Unani Medicine.

In his presidential speech in the function, Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Minister of State (I/C) for AYUSH, Government of India said that the Government of India under the dynamic leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi Ji was making concerted efforts to promote and propagate AYUSH systems and created a separate ministry for their development according to their own fundamental philosophies and principles and make optimal utilization of their potentials in the national healthcare delivery. He further said that the decision to declare and celebrate National Unani Day was an appropriate step in the direction for promoting Unani Medicine.

Shri Bandaru Dattatreya, Hon'ble Minister of State

Shri Shripad Naik, Shri Bandaru Dattatreya, Dr. Charlakola Laxma Reddy, Shri Mohammed Mahmood Ali, Shri Maganti Gopinath, Shri PN Ranjit Kumar, Prof. Rais-ur-Rahman, Dr. MA Waheed and Prof. Vd. KS Dhiman during the national anthem at National Unani Day function on 11 February 2017 at Hyderabad.

Shri Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for AYUSH addressing National Unani Day function on 11 February 2017 at Hyderabad.

(I/C), Ministry of Labour and Employment, Government of India, who was the chief guest on the occasion, applauded the decision taken under the leadership of Shri Shripad Naik to observe 11th February as National Unani Day saying that Hakim Ajmal Khan was the one who first brought Ayurveda and Unani systems under one roof and made commendable contribution to the development of Unani Medicine in India.

Speaking on the occasion, Shri Mohammed Mahmood Ali, Hon'ble Deputy Chief Minister of Telangana said that it was a matter of pride for Hyderabad to host the first National Unani Day.

Dr. Charlakola Laxma Reddy, Hon'ble Health & Medical Minister, Telangana and Shri Maganti Gopinath, Hon'ble MLA, Telangana and various other dignitaries including Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India and Prof. Rais-ur-Rahman, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India were present in the function. Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM proposed vote of thanks.

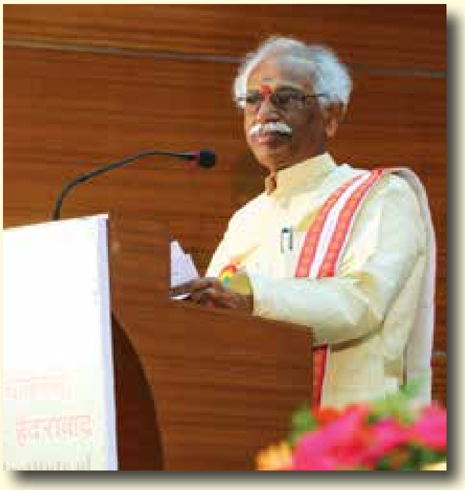

Shri Bandaru Dattatreya, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for Labour and Employment addressing National Unani Day function on 11 February 2017 at Hyderabad.

Dr. Ummul Fazal, widow of Hakim MA Razzack, founder director of the Central Council for Research in Unani Medicine, receiving Lifetime Achievement Award from Shri Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for AYUSH on behalf of her husband on 11 February 2017 at Hyderabad. Shri Bandaru Dattatreya, Hon'ble Union Minister of State (I/C), Ministry of Labour and Employment and Dr. Charlakola Laxma Reddy, Hon'ble Health & Medical Minister, Telangana are also seen.

Under the newly formulated CCRUM Award Scheme, eight national level awards of various categories were conferred on eminent Unani researchers, academicians and practitioners for their contribution to different research areas of Unani Medicine. In the first category, the Young Scientist Award was conferred on Dr. Syed Mohd Abbas Zaidi, Assistant Professor, HSZH Government Unani Medical College, Bhopal for clinical research and Dr. Mohd. Kashif Hussain, Research Officer (Botany), CRIUM, Hyderabad for drug research. In the second category, the Best Teacher Award was conferred posthumously on Prof. Ishtiyaque Ahmed, A&U Tibbia College, New Delhi for literary research. It was also conferred on Prof. Mohd. Akhtar Siddiqui, Head, Department of Moalajat, Jamia Hamdard, New Delhi for clinical research and Prof. Ghufran Ahmad, Department of Ilmul Advia, Ajmal Khan Tibbiya College, AMU, Aligarh for drug research. In the third category, the Lifetime Achievement Award was conferred posthumously on Hakim MA Razzack who was the founder director of the CCRUM. Whereas, Prof. S Shakir Jamil, Jamia Hamdard, New Delhi received the award for best academician and Dr. Seema Akbar, Assistant Director Incharge, Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar for best researcher. Each awardee in the first two categories received a shawl, memento, certificate and a cash prize of two lakh rupees while the cash prize was five lakh rupees in the third category.

Shri Bandaru Dattatreya, Hon'ble Union Minister of State (I/C), Ministry of Labour and Employment conferring Lifetime Achievement Award for Best Academician on Prof. S Shakir Jamil, Jamia Hamdard, New Delhi during National Unani Day function on 11 February 2017 at Hyderabad. Shri Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for AYUSH and Dr. Charlakola Laxma Reddy, Hon'ble Health & Medical Minister, Telangana are also seen.

A view of audience during National Unani Day function organized by the Central Council for Research in Unani Medicine at the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad on 11 February 2017.

On this occasion, the MD and PhD programmes in Unani Medicine recently started at CRIUM, Hyderabad in affiliation with Kaloji Nrayana Rao University of Health Sciences (KNRUHS), Telangana and Jamia Millia Islamia, New Delhi were also inaugurated by Shri Shripad Naik. Five important publications brought out by the CCRUM were also released.

To mark this occasion, a two-day National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine was also organized by the CCRUM and inaugurated concurrently with National Unani Day and CCRUM Award function.

• ***Niyaz***

Change at the Helm of CCRUM

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) witnessed a change at its helm in the month of January 2017 and another change in the month of August 2017 as Prof. Vd. KS Dhiman and Dr. Anil Khurana assumed additional charge of its Director General.

Prof. Vd. KS Dhiman, Director General, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS), Ministry of AYUSH, Government of India assumed additional charge of Director General, CCRUM in the afternoon of 31 January 2017 and continued to look after the affairs of the CCRUM for six months. During this period, he smoothly managed the research and administrative activities of the Council and successfully organized 1st National Unani Day event and National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine at Hyderabad.

On 2 August 2017, there was another change at the helm of the CCRUM and Dr. Anil Khurana, Deputy Director General, Central Council for Research in Homoeopathy took over additional charge of Director General, CCRUM.

Since assuming the charge of Director General, Dr. Khurana has been putting his best efforts for the furtherance of the objectives of the CCRUM.

The CCRUM looks forward to his dynamic leadership for better and faster development and progression of research in Unani system of medicine.

CCRUM Launches Project to Digitize Rare Books

The Library and Information Center (LIC) at the Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), New Delhi launched a project for digitization of rare books and journals related to Unani system of medicine to preserve the knowledge contained therein on 8 March 2017.

Prof. Vd. KS Dhiman inaugurating the project for digitization of rare books.

Formally inaugurating the project, Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM said that the preservation of knowledge inherited to us by our predecessors is one of our key responsibilities by extending it to our successors. He further said that the advancement of information technology has eased this task and digitization is considered the best form to preserve the knowledge available in print form. On this occasion, he applauded the Daily Medical News Alert – a digital service for dissemination of medical news among the researchers and scientists – recently initiated by the LIC. He also stressed the need to reprint rare books of Unani system of medicine originally printed in the undivided subcontinent and middle-eastern countries so that they could be made a part of our national digital heritage.

Earlier in his introductory remarks Shri Mohd. Azhar Khan, Assistant Library and Information Officer at the LIC informed that five lakh pages of rare books and journals would be digitized under this project in the next six months. Shri Syed Shoaib Ahmad, Library and Information Assistant informed that the Council has already digitized Unani manuscripts available at the LIC and data of all the libraries of the Council are available on NIC clouds and DELNET that can be accessed from anywhere in the world.

Dr. Zakiuddin, Shri Shamsul Arfin and Dr. Amanullah also addressed the inaugural function which was attended by all the officers and staff of the CCRUM Headquarters.

• ***Niyaz***

National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) organized a two-day National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine at the Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad during 12–13 February 2017. The seminar urged the need to exploit the strengths and potentials of Unani system of medicine to control and manage skin diseases.

The seminar had eight technical sessions for oral presentation and two sessions for poster presentation, besides inaugural and valedictory sessions. A total of 37 research papers were presented and seven invited lectures were delivered. The seminar proved an appropriate platform for a total of 250 delegates comprising medical scientists, academicians, researchers and MD (Unani) scholars. Five important publications of the Council were also released on the occasion.

Inaugural Session

The seminar was inaugurated by Shri Bandaru Dattatreya, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for Labour and Employment concurrently with National Unani Day and CCRUM Award function on 11 February in the presence of Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for AYUSH, Shri Mohammed Mahmood Ali, Hon'ble Deputy Chief Minister of Telangana, Dr. Charlakola Laxma Reddy, Hon'ble Health & Medical Minister, Telangana and other dignitaries including Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India, Prof. Rais-ur-Rahman, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India and Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM.

Shri Mohammed Mahmood Ali, Hon'ble Deputy Chief Minister of Telangana addressing the inaugural function of National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine on 11 February 2017 at Hyderabad.

Shri Shripad Naik, Shri Bandaru Dattatreya, Dr. Charlakola Laxma Reddy, Shri Mohammed Mahmood Ali, Shri Maganti Gopinath, Shri PN Ranjit Kumar, Dr. MA Waheed and Prof. Vd. KS Dhiman releasing 'Nuqush-i Ajmal' published by the Central Council for Research in Unani Medicine during the inaugural function of National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine on 11 February 2017 at Hyderabad.

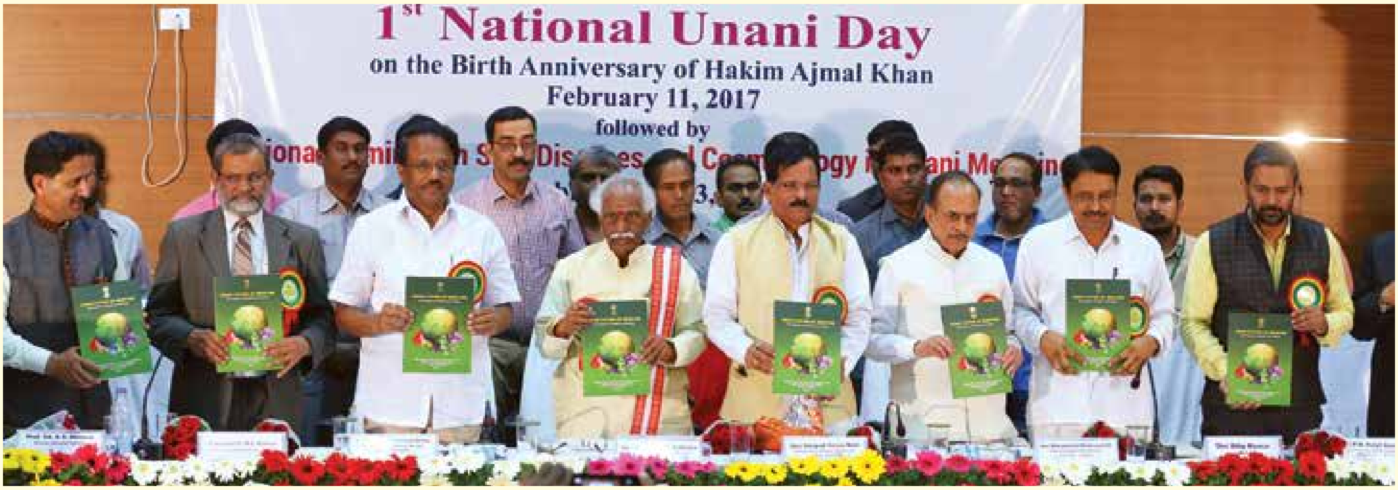

Shri Shripad Naik, Shri Bandaru Dattatreya, Dr. Charlakola Laxma Reddy, Shri Mohammed Mahmood Ali, Shri Maganti Gopinath, Shri PN Ranjit Kumar, Dr. MA Waheed and Prof. Vd. KS Dhiman releasing new edition of Unani System of Medicine – The Science of Health and Healing published by the Central Council for Research in Unani Medicine during the inaugural function of National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine on 11 February 2017 at Hyderabad.

Five publications of the Council were also released on the occasion. Unani System of Medicine – The Science of Health and Healing and Unani Medicine in India – An Overview were released by Shri Shripad Naik; Nuqush-i Ajmal and Mujarrabat-i Rizai were released by Shri Bandaru Dattatreya and Standard Unani Treatment Guidelines for Common Diseases, Vol. II was released by Shri Mohammed Mahmood Ali.

Technical Sessions

The first of the six technical sessions held on 12 February 2017 was chaired by Prof. S Shakir Jamil, former Director General, CCRUM and Prof. Syed Imamuddin Ahmed, Member, Scientific Advisory Committee, CCRUM, and the rapporteur was Prof. Qamar Uddin, Research Officer (Unani) and Head, Department of Moalajat (Medicine), CRIUM, Hyderabad. The session began with an invited talk delivered by Dr. Syed Mohd Abbas Zaidi, Assistant Professor, Department of Moalajat, HSZH Government Unani Medical College, Bhopal. He enlightened the audience with his deep knowledge on Leech Therapy in Unani System of Medicine with Special Reference to its Application in Skin Disorders. In this session, five delegates presented their papers. The second session held in parallel was chaired by Prof. Yasmin Shamsi, Department of Moalajat (Medicine), Jamia Hamdard, New Delhi and Dr. Zakiuddin, Assistant Director (Unani), CCRUM Headquarters, New Delhi, and the rapporteur was Dr. Javed Inam Siddiqui, Research Officer (Unani) and Lecturer, Department of Ilmul Adviya (Pharmacology), CRIUM, Hyderabad. The session also accommodated four paper presentations.

Of the other four sessions of the day, one was chaired by Prof. AB Khan, former Dean & Principal, Ajmal Khan Tibbiya College, AMU, Aligarh and Prof. Ghufran Ahmad, Department of Ilmul Adviya (Pharmacology), Ajmal Khan Tibbiya College, AMU, Aligarh and the rapporteur was Dr. Misbahuddin Azhar, Research Officer (Unani), CCRUM Headquarters. Padma Shri, Dr. MA Waheed, former officiating director of CRIUM, Hyderabad delivered an invited talk on Psoriasis and Vitiligo Management through Unani Medicine. In this session, four delegates presented their papers. Another session was chaired by Dr. Sharique Ali Khan, Deputy Director, RRIUM, Aligarh and Mr. Suhail M Adhami, Consultant (Biostatistics), CCRUM Headquarters and the rapporteur was Dr. Mohammad Zakir, Research Officer (Unani) and Lecturer, Department of Ilmul Adviya (Pharmacology), CRIUM, Hyderabad. In this session, three delegates presented their papers.

The fifth session was chaired by Dr. DC Katoch, Prof. Vd. KS Dhiman

and Dr. MA Waheed and the rapporteur of the session was Dr. Uzma Viquar, Reader, Department of Ilmul Adviya (Pharmacology), CRIUM, Hyderabad. The session had two invited talks delivered by Dr. Sharique Ali Khan and Dr. Azhar Jabeen, Assistant Professor, Department of Moalajat, Jamia Hamdard, New Delhi. Dr. Sharique spoke on Innovative Approach of Al-Razi to Dermatology while Dr. Azhar Jabeen delivered a speech on Irsāl-i 'Alaq (Leech Therapy) in the Treatment of Skin Disorders. In this session, five delegates presented their papers. The sixth session held in parallel was chaired by Dr. Madan Singh Jakhar, Member, Governing Body, CCRUM and Dr. Amjadullah, Research Officer (Pathology), CRIUM, Hyderabad and the rapporteur was Dr. Arzeena Jabeen, Research Officer (Unani) and Lecturer, Department of Moalajat (Medicine), CRIUM, Hyderabad. Four research papers were presented in this session.

The next day's proceedings started with two parallel sessions. One of them was chaired by Prof. Anis Ahmed Ansari, former Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India, Prof. KMY Amin, AMU, Aligarh and Prof. Mohd Akhtar Siddiqui, Jamia Hamdard, New Delhi, and the rapporteur was Dr. Mohammad Nawab, Research Officer (Unani) and Reader, Department of Moalajat (Medicine), CRIUM, Hyderabad. The session had three invited talks delivered by Prof. Mushtaq Ahmad, former Director, CRIUM, Hyderabad, Prof. Neena Khanna, AIIMS, New Delhi and Dr. Hamiduddin, NIUM, Bengaluru. Prof. Mushtaq Ahmad spoke on Bars (Vitiligo) as Described in Unani System of Medicine while Prof. Neena Khanna delivered an impressive speech on Scoring System in Dermatology. Dr. Hamiduddin delivered his talk on 'Evolution of cosmeceuticals in Unani Medicine: A Historical and Contemporary Perspective'. In this session, five research papers were presented.

The other session was chaired by Dr. S Karimullah, Assistant Director (Unani), CRIUM, Hyderabad and Dr. Naquibul Islam, Research Officer (Unani) and Head, Department of Molajatat (Medicine), RRIUM, Srinagar and the rapporteur was Dr. Taufiq Ahmad, Reader, Department of Molajatat (Medicine), CRIUM, Hyderabad. In this session, seven papers were presented.

Valedictory Session

The valedictory session was chaired by Dr. B Karunakar Reddy, Vice Chancellor, Kaloji Narayana Rao University of Health Sciences, Telangana. The chief guest of the session was Padma Shri Prof.

A view of august gathering during the valedictory function of National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine on 13 February 2017 at Hyderabad.

Prof. Anis Ahmad Ansari, former Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India addressing the valedictory function of National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine on 13 February 2017 at Hyderabad, while on the dais are Prof. Mushtaq Ahmad, Dr. Mohammad Khalid Siddiqui, Hakim Syed Khalifathullah, Dr. B Karunakar Reddy, Prof. Rais-ur-Rahman, Prof. Vd. KS Dhiman, Dr. Ummul Fazal, Dr. MA Waheed and Dr. Munawwar H Kazmi.

Syed Khalifathullah, former Vice President, Governing Body, CCRUM. The session began with brief summary of the proceedings by Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM. He summarized the presentations made in the technical sessions and deliberations of the inaugural session. In his valedictory address, Dr. B Karunakar Reddy said that the strength areas of Unani system of medicine should be identified and some skin diseases should be prioritized for research. He also stressed on bringing out research papers and publications. Prof. Syed Khalifathullah and Prof. Rais-ur-Rahman also addressed the session. The seminar concluded with vote of thanks proposed by Dr. Munawwar Husain Kazmi, Director I/c, CRIUM, Hyderabad.

Participation in Training cum Workshop on Plant Taxonomy

The researchers from the Council's Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar participated in the National Training cum Workshop on Plant Taxonomy: Principles and Practices organized by the Botanical Survey of India, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India at the University of Kashmir, Srinagar during 27–29 March 2017.

The workshop was inaugurated by Dr. Azra Nahaid Kamili, Dean, Faculty of Life Sciences, University of Kashmir, Srinagar. The other dignitaries present during the workshop were Dr. Paramjit Singh, Director, Botanical Survey of India, Kolkata and Dr. OP Sharma, Director, Ecology, Environment and Remote Sensing, Jammu & Kashmir. The workshop elaborated on the principles and practices of plant taxonomy and provided relevant training to the participants.

3rd Conference of Health and AYUSH Ministers of States / Union Territories

Action Against Misguided Drug Advertisements Urged

The Ministry of AYUSH, Government of India organized 3rd Conference of Health and AYUSH Ministers of states / union territories (UTs) on 22 March 2017 at Pravasi Bhartiya Kendra, New Delhi to provide an opportunity to states / UTs to interact with each other for the development of AYUSH sector. The conference urged states / UTs to take action against misguided advertisements about AYUSH drugs.

Shri Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for AYUSH along with his state counterparts Smt. KK Shailja Teacher (Kerala), Shri Bansidhar Bajia (Rajasthan) and Shri Badal Choudhary (Tripura) during the national anthem at 3rd Conference of Health and AYUSH Ministers of States / Union Territories on 22 March 2017 at Pravasi Bhartiya Kendra, New Delhi. Shri Ajit Mohan Sharan, Secretary; Shri Anil Kumar Ganeriwala, Joint Secretary; and Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India are also seen.

The conference aimed to discuss the various issues connected with propagation and mainstreaming of AYUSH, take stock of the progress made and developments that took place during the last two years and streamline co-ordination with the states/UTs to ensure and affect better and affordable healthcare delivery in the country.

The conference was inaugurated by Hon'ble Union Minister of State (Independent Charge) for AYUSH Shri Shripad Yesso Naik and attended by AYUSH / health ministers / secretaries and officials from 23 states / UTs; senior officials of the Ministry of AYUSH, Government of India; and representatives of AYUSH organizations.

In his inaugural address, Shri Shripad Naik said that the WHO advocates expanding the rational use of traditional medicine as one of the means to achieve Universal Health Coverage. The WHO also advocates harnessing the potential of traditional medicines, capacity building in traditional medicine practice and developing awareness among the public about the advantages of traditional medicines. Shri Naik appealed to all the state governments to consider the WHO advisory on priority.

Shri Shripad Naik also urged all state governments to consider amending their state medical practitioner act to enable AYUSH systems to deal with medical emergencies. He said that states like Maharashtra, Haryana, Uttar Pradesh and West Bengal have already made such amendments in their acts. The minister further said that the ministry has been focusing on the quality of AYUSH education. He advised state governments to closely monitor and ensure the quality of education being imparted in AYUSH colleges.

The minister also expressed his concern on misguided advertisements about AYUSH drugs appearing in the print and electronic media. He said that the central government has entered into MoU with the Advertising Council of India to check such fraudulent claims relating to AYUSH products. He said that the state governments may also bring such advertisements to the notice of the said council. The minister also said that the ministry has developed Ayurveda protocols as well as Yoga protocols for prevention and control of diabetes. Another landmark achievement is that the insurance companies have begun entertaining the claims for reimbursement made by policy holders for the expenditure made on AYUSH treatment, Shri Shripad Naik added.

On this occasion, Minister for Health & Social Justice, Government of Kerala, Smt. KK Shailja Teacher said that they have decided to set up an International Research Institute of Ayurveda in the state. She emphasized to start more hospitals in AYUSH sector to propagate the strengths of AYUSH systems. Minister of Health & Family Welfare, Government of Rajasthan Shri Bansidhar Bajia and Health & Family Welfare Minister, Government of Tripura Shri Badal Choudhary also spelled out the policies and programmes being taken up by their governments to propagate AYUSH.

Welcoming the dignitaries and delegates, Secretary AYUSH, Government of India Shri Ajit M. Sharan briefed about the achievements and initiatives undertaken by the Ministry of AYUSH since it was accorded the status of independent ministry in November 2014.

In the post-inaugural session, Shri Anil Kumar Ganeriwala, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India made an overview on Quality Control, International Co-operation and Work on Classification of Diseases. Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH,

Shri Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for AYUSH addressing 3rd Conference of Health and AYUSH Ministers of States / Union Territories on 22 March 2017 at Pravasi Bhartiya Kendra, New Delhi.

Shri Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of State (I/C) for AYUSH lighting the lamp to inaugurate 3rd Conference of Health and AYUSH Ministers of States / Union Territories on 22 March 2017 at New Delhi.

Government of India briefed about the initiatives undertaken by the Ministry of AYUSH in the field of research. Shri Franklin L Khobung, Director, AYUSH, Ministry of AYUSH, Government of India presented an account of initiatives in education and regulation and integration of AYUSH into public health system. Smt. Padmapriya Balakrishnan, Deputy CEO, National Medicinal Plants Board (NMPB) appraised the activities of NMPB and the efforts of the ministry to develop this sector.

State health authorities pointed out their problems in implementation of various programmes and schemes of AYUSH and concerned officers of the Ministry of AYUSH addressed their issues.

The conference was anchored by Dr. Ghazala Javed, a senior research officer of CCRUM posted at International Cooperation Division of the Ministry of AYUSH.

CCRUM's Researcher Features in 'India's Most Powerful Women'

Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) at the Central Council for Research in Unani Medicine has featured in India's Most Powerful Women, a book authored by the journalist and women's rights activist Smt. Prem Ahluwalia.

Published by Young Asia Publications, the book portrays women from the fields of politics, social work, business and corporate, medicine, sports, art and culture, and entertainment. According to the author, these women are super achievers in their respective fields and role models for younger women in their profession. They belong to different age groups and socio-economic backgrounds, yet their work comes together to script a new story of hope and success.

Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) (Scientist-IV), who is currently engaged in International Cooperation Division of the Ministry of AYUSH, has featured in the chapter entitled 'The Healing Touch' of the book and has been described as 'The Face of Unani'.

The chapter sheds light on her personal life and professional journey capturing her struggles and achievements. The chapter highlights her courage and wisdom against odds in life. As a professional, she has been able to perform brilliantly in different roles; as a physician, as a researcher, as a national and international negotiator at various national and international forums, and as a government representative.

The book was released by Shri Taleb Rifai, Secretary-General of the World Tourism Organization (UNWTO) in Berlin, Germany on the occasion of International Women's Day on 8 March 2016. The book was also presented to Hon'ble President of India Shri Pranab Mukherjee at Rashtrapati Bhawan on 28 July 2016.

It's a proud moment for the CCRUM to have Dr. Ghazala Javed featured in the book that portrays the likes of Smt. Sonia Gandhi, Dr. Najma Heptulla, Smt. Sushma Swaraj, Smt. Bina Modi, Smt. Nita Ambani, Smt. Sunita Narain, Ms. Lata Mangeshkar, Smt. Shahnaz Husain, Smt. Sania Mirza, Smt. Kiran Bedi and Smt. Mohini Giri.

• ***Niyaz***

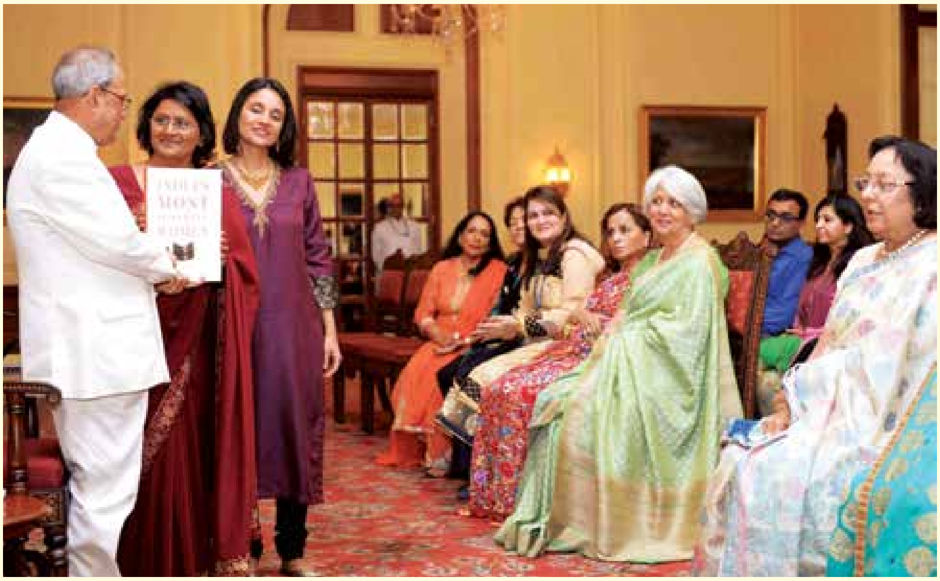

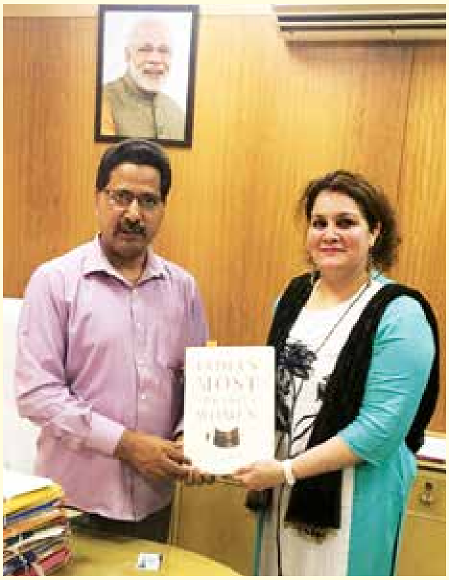

Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) (Scientist-IV) of the Central Council for Research in Unani Medicine at the Rashtrapati Bhawan during the presentation of the book 'India's Most Powerful Women' to Hon'ble President of India Shri Pranab Mukherjee on 28 July 2016. In the second picture, Dr. Ghazala Javed is presenting a copy of the book to Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM.

World Unani Foundation Organizes World Unani Congress

The 1st World Unani Congress was organized by the World Unani Foundation (WUF), India in collaboration with National Council for Promotion of Urdu Language (NCPUL), Department of Higher Education, Ministry of Human Resource Development, Government of India at Jamia Millia Islamia, New Delhi during 6–7 March 2017. The CCRUM's researchers participated in the congress.

The function had Prof. Rais-ur-Rahman, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India as the chief guest. In his address, he said that the research in Unani Medicine being carried out on scientific basis would be useful to develop the system as per the requirements of the international regulatory agencies. The function was presided over by Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, Jamia Millia Islamia, New Delhi, whereas Dr. DC Katoch, Advisor (Ayurveda), Ministry of AYUSH, Government of India and Mr. Hamid Ahmad, CEO/Director, Hamdard Laboratories (India) were guests of honour. The keynote address was delivered by Prof. KMY Amin, Department of Ilmul Advia, Ajmal Khan Tibbiya College, AMU, Aligarh. The valedictory session was addressed by Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM, New Delhi.

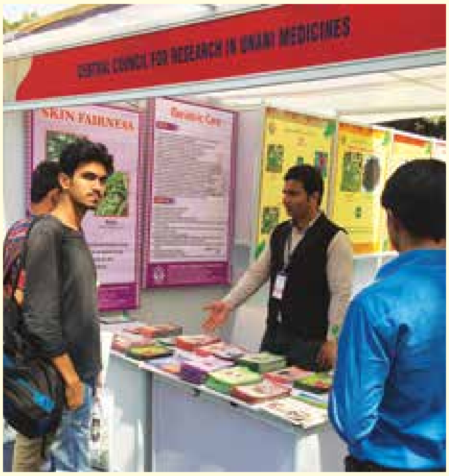

A view of the stall of the Central Council for Research in Unani Medicine during 1st World Unani Congress organized by the World Unani Foundation, India in New Delhi during 6–7 March 2017.

The congress had deliberations on scientific advancements, novel approaches and future challenges in Unani Medicine. In all, the congress had 94 oral papers and 82 poster presentations. It was attended by about 300 national and 10 international delegates.

•••

Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, Central Council for Research in Unani Medicine addressing the valedictory session of 1st World Unani Congress organized by the World Unani Foundation, India at Jamia Millia Islamia, New Delhi during 6–7 March 2017.

International Conference on Yoga for Diabetes

The Central Council for Research in Yoga and Naturopathy (CCRYN) organized an International Conference on Yoga for Diabetes – 2017 in New Delhi during 4–6 January 2017. Inaugurating the conference Shri Shripad Yesso Naik, Hon'ble Minister of State for AYUSH (Independent Charge), Government of India emphasized on the role of Yoga in the prevention and management of Diabetes.

Shri Shripad Naik informed that UNESCO, the world's apex body for culture, has recently included Yoga in its list of intangible cultural heritage. This is yet recognition of the universal relevance of Yoga and will add to its respectability across the national borders, the minister added. He also urged the participants to draw up a road map for the control of diabetes through Yoga.

Various research councils and institutes of the Ministry of AYUSH, Government of India participated in the conference and exhibited their achievements in research and educational activities. The CCRUM had also put up a stall to highlight its achievements which was visited by more than a thousand visitors.

Shri Shripad Naik, Hon'ble Minister of State (I/C) for AYUSH, Government of India lighting the lamp to inaugurate International Conference on Yoga for Diabetes on 4 January 2017 in New Delhi. Dr. HR Nagendra, President, Vivekananda Yoga Anusandhana Samsthana and Shri Ajit Mohan Sharan, Secretary, Mnistry of AYUSH, Government of India are also seen.

Participation in Arogya Wellness Tourism Expo - 2017

The Council's Clinical Research Unit (CRU) at Edathala, Kerala participated in the four-day Arogya Wellness Tourism Expo - 2017 at Thiruvananthapuram, Kerala during 18-21 February 2017.

The CRU, Edathala showcased research activities, achievements and publications of the Council. It also displayed various posters and charts highlighting various concepts of Unani system of medicine. With a view to create awareness about healthy living and intervention of Unani Medicine in curing diseases and promoting health, literature on Unani Medicine and success stories on treatment of some chronic and common diseases were distributed to visitors. Physicians were also deployed to provide free consultation to the visitors.

• ***Saad***

CCRUM Participates in JIGNASA-2017

The CCRUM participated in JIGNASA-2017, an international conference on Indian systems of medicine and the public health exhibition and expo organized by the Vidyarthi Seva Trust at the Saraswathi Mandapam in Poojappura, Kerala during 10–12 February 2017.

The programme was inaugurated by Shri Kamineni Srinivas, Hon'ble Minister of Health and Medical Education, Government of Andhra Pradesh in the presence of Dr. Sathyanarayan, Member, Andhra Pradesh Legislative Assembly and several other dignitaries.

The Vidyarthi Seva Trust initiated JIGNASA as a common platform to address everything related to Ayurveda, Yoga and Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH) systems. Over 504 delegates, including those from foreign countries, participated in the international conference that was themed on 'Convergence of Health Traditions in Bharatavarsha'. Representatives from Zimbabwe and Turkey interacted with delegates from 23 states in the country to share knowledge on traditional systems of medicine.

The expo featured around 200 stalls that showcased the diversity and significance of traditional systems of medicine and healing practices in India, and their role in public healthcare. The central and state government departments, NGOs, traditional and tribal physicians, medicinal plant nurseries and gardens and health-related industries had exhibited their products. The CCRUM participated in this event and showcased its achievements in the research programmes and other activities through its stall.

International Conference on Knowledge Generation, Discovery and Networking

Officials of the CCRUM participated in the International Conference on Knowledge Generation, Discovery and Networking (KGDAN) organized by Aligarh Muslim University (AMU), Aligarh in collaboration with Indian Council of Social Science Research (ICSSR), New Delhi during 15-16 February 2017.

The conference was inaugurated by the chief guest Prof. PB Mangla, former Tagore National Fellow, Ministry of Culture, Government of India in the presence of Dr. Gopal Bhushan, Prof. N Laxman Rao, Brigadier (Retired) Syed Ahmad Ali, Prof. Gabriel Gomez and Prof. Shabahat Hussain.

The key theme of the conference was 'Knowledge Generation, Knowledge Discovery, Sharing and Networking and Current Trends in Libraries and Information Centers'. As much as 102 delegates from India, USA and Bangladesh participated in the conference and 26 of them presented their papers in the five technical sessions. In addition, a panel discussion on 'Implementation and Adoption of Knowledge Management in Libraries: Measuring Impact and Future Applicability' was held.

Shri Masood-uz-Zafar Khan and Mohd. Hashim Siddiqui from the CCRUM participated in the conference and served as rapporteurs for the fourth and fifth technical sessions.

CCRUM Holds Scientific Advisory Committee Meeting

The Council's Scientific Advisory Committee (SAC) had its 50th meeting at the Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad on 21 January 2017 and discussed about various activities conducted during the inter-SAC period. Starting of MD and PhD programmes in Unani Medicine by the Council assumed a great significance in the meeting. The SAC also discussed ongoing research activities, new research proposals and other activities of the Council in detail.

The meeting was held under the chairmanship of Padma Shri Dr. MA Waheed and attended by Prof. Syed Shakir Jamil, Prof. Syed Imamuddin Ahmed, Dr. Yasmeen Shamsi, Prof. Mushtaq Ahmad, Dr. Anurag Srivastava, Prof. Rais-ur-Rahman, Director General I/c and officers of the Council. Dr. Syed Asad Pasha attended the meeting as a special invitee. A few members could not attend the meeting.

In his introductory remarks, Prof. Rais-ur-Rahman informed the SAC that the Council had started MD in Unani Medicine at CCRIUM, Hyderabad and Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Srinagar with seven seats each in Moalajat (Medicine) and Ilmul Advia (Pharmacology) in affiliation with Kaloji Narayana Rao University of Health Sciences, Telangana and University of Kashmir, Srinagar respectively. He also said that Jamia Millia Islamia, New Delhi had approved affiliation of CRIUM, Hyderabad for PhD programmes in Moalajat (Medicine) and Ilmul Advia (Pharmacology) with three seats in each.

Dr. MA Waheed appreciated the progress and the new initiatives undertaken by the Council. The SAC recommended the proposal for organizing National Seminar on Skin Diseases and Cosmetology in Unani Medicine at CRIUM, Hyderabad. The committee also recommended the scheme of awards to be conferred on researchers and academicians of Unani Medicine on the occasion of National Unani Day falling on 11th February, the birthday of Hakim Ajmal Khan. The proposal for the establishment of 'Ilāj bi'l Tadbīr Units at CRIUMs, Hyderabad and Lucknow, and RRIUM, Chennai was also recommended by the committee. The committee considered and recommended the proposal for expansion of the project on Integration of Unani Medicine in NPCDCS in Aligarh (UP), Dehradun (Uttarakhand) and Karimnagar (Telangana). The SAC also suggested that the project may also be planned for Ghaziabad District in collaboration with Institute of Cytology & Preventive Oncology, Noida.

The progress made in the first year of the Swasthya Rakshan Programme and NPCDCS was noted by the committee and recommended for the second year. The proposal for reorganization of activities under Tribal Sub-plan (TSP) was approved. With regard to the constitution of Research Sub-Committees, the SAC authorized Director General, CCRUM to constitute such committees and intimate the SAC. The idea of translating Unani literature into five foreign languages viz. Spanish, Russian, German, French and Chinese was welcomed by the SAC and included a few more languages like Arabic, Persian, Hindi and English for the same purpose. Besides, various research proposals and allotments were considered and approved by the committee. The committee also recommended certain administrative measures as put up by the Council in the agenda items like purchase of lab instruments, purchase of vehicles, recruitment rules for different posts of Research Officers, procurement of hospital and office furniture, etc. to facilitate the functioning of the Council and its Centres.

• ***Niyaz***

Participation in SFEC-2017

Researchers from the CCRUM participated in 4th International Congress of the Society for Ethnopharmacology (SFEC-2017) themed on 'Healthcare in 21st Century: Perspectives of Ethnopharmacology & Medicinal Plant Research' held in Surat during 23–25 February 2017 under the joint auspices of Uka Tarsadia University (UTU) and the Society for Ethnopharmacology, India.

The congress began with a series of pre-conference workshops which were organized to ascertain various technicalities related to natural product research. More than 100 scientists shared their valuable experiences. Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM delivered the keynote address on Ethnopharmacology: Past, Present and Future.

The congress focused on perspectives of ethno-pharmacology and medicinal plants in globalized era, natural product based development – opportunities and challenges, ethnobotanical and pharmacological study of medicinal plants in present scenario, ethnopharmacolgy and traditional health practices, trends in medicinal plants research, role of medicinal plants, conservation and propagation of medicinal plants, etc.

Dr. R Murugeswaran, Research Officer (Botany) and Dr. Pawan Kumar Sagar, Research Officer (Chemistry) from the Council's Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai participated in the congress and presented research papers entitled 'Useful folk medicinal plants and their diversity status in Southern Western Ghats of Tamil Nadu, Karnataka and Kerala' and 'Emerging trends of selective medicinal plants used in anti-diabetic treatment in the ASU drugs' respectively.

International Conference on Revolution of Laboratory Medicine in Modern Biology

The CCRUM participated in the International Conference on Revolution of Laboratory Medicine in Modern Biology organized by the National Institute of Immunohaematology (ICMR) during 15–17 February 2017 in Mumbai.

The conference had guest lectures, oration, symposia, panel discussions, interactive sessions and poster presentations broadly pertaining to laboratory diagnosis of common day-to-day problems in immunohaematology as well as recent advances in the field. It covered plenty of topics including transfusion medicine, red cell disorders, hematologic malignancies, cytogenetics and genomic instability syndromes, gene correction/gene therapy, stem cell biology, primary immunodeficiencies, hemostasis and thrombosis, flow cytometry and advanced molecular diagnostic technologies. The conference was attended by the Council's researchers working in the relevant fields.

Workshop on Official Language

A workshop on official language was organized by the Council's Regional Research Institute of Unani Medicine on 27 March 2017 at Srinagar with a view to motivating the officials to increase the use of official language.

The workshop was addressed by Dr. Seema Akbar, Assistant Director Incharge, RRIUM, Srinagar, Dr. Md. Meraj Ahmad, Head, Department of Sanskrit, and Dr. Zahida Jabeen, Assistant Professor, Department of Hindi, University of Kashmir, Srinagar. They suggested ways to improve the working skills in the official language and encouraged the officials of the institute to put maximum efforts for its promotion.

CCRUM Expands Daily Medical News Update

The Library and Information Centre at the CCRUM expanded the reach of its email-based service Daily Medical News Update to cover researchers and other staff of all the councils under the umbrella of the Ministry of AYUSH from 24 May 2017. Earlier the service named 'Daily Medical News Alert' was limited to the personnel of the CCRUM.

The initiative to expand the reach of Daily Medical News Update was the idea of Prof. Vd. KS Dhiman, Director General I/c, CCRUM who took it to the directors general of the sister research councils through a meeting on 24 March 2017. The idea was welcomed by them and accordingly an email directory of 527 personnel was compiled and dissemination of the service commenced from 24 May 2017.

The Daily Medical News Update covers health, medicare, environment and allied subjects-related news clippings with their weblinks from the national dailies and disseminates them to medical professionals, researchers and officers of the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, the Central Council for Research in Homoeopathy and the Central Council for Research in Yoga and Naturopathy besides those in the CCRUM.

Participation in Seminar on Digital Licensing

The National Law University, Delhi in association with Jawaharlal Nehru University among other partners organized a day-long seminar on Digital Licensing: Smart Decisions for Smart Libraries on 9 August 2017 in New Delhi to mark the birth anniversary of Dr. SR Ranganathan, Father of Library Science.

The main objective of the seminar was to create awareness among library fraternity on the various issues concerning licensing agreements signed with publishing industry in order to provide the readers access to digital resources with bundle or individual subscriptions / purchases. The seminar through four technical sessions addressed the difficulties faced by the librarians in signing licensing agreements / memorandum of understanding due to hard-to-understand typical language of the terms and conditions laid down by the licensors.

The seminar had about 250 participants from seven states of the country. Shri Mohd. Azhar Khan and Shri Syed Shuaib Ahmad from the CCRUM attended the seminar and benefited.

Participation in Conference on Library Science

The CCRUM participated in the 7th National Conference on Connecting Minds: Creating Future – the Paradigm Shift organized by the Central Government Library Association and Indira Gandhi National Forest Academy (IGNFA) during 21–23 February 2017 at Dehradun.

Inaugurating the conference, Dr. KK Paul, Hon'ble Governor of Uttarakhand said that libraries need to redesign themselves to face challenges thrown up by the arrival of digital technology and keep their relevance for the present generation of readers. He stressed that libraries must come forward to inculcate the love of reading real books, not just e-books among the new generation. He also stressed that libraries need to reorient as information depositories.

As much as 23 papers were presented in the five technical sessions of the conference which was attended by more than hundred delegates from different states of the country. Shri Mohd. Azhar Khan and Shri Syed Shuaib Ahmad from the CCRUM attended the conference.

Minority Welfare Minister Visits RRIUM, Patna

Dr. Abdul Ghafoor, Hon'ble Minister, Minority Welfare Department, Government of Bihar visited the Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Patna and inspected its medical system and services, OPD, IPD, research laboratory and library to understand its functioning on 21 February 2017.

He was welcomed by Dr. Ishtiyaque Alam, Research Officer Incharge of the Institute and briefed about the functioning and the facilities available at the Institute for treating the patients. The Hon'ble Minister was also briefed about the specialty of the Institute in curing certain chronic diseases like Arthritis, Scabies and Eczema through Unani Medicine.

During his visit, Hon'ble Minister interacted with the patients and enquired about their health and well-being and the services provided by the Institute. Besides, he collected information about the drugs being distributed to the patients and appreciated the packing of medicines. He said that he would take necessary steps to fill up the vacant posts of doctors in the Institute.

Participation in CME on *'Ilāj bi'l Tadbīr*

The Department of *'Ilāj bi'l Tadbīr*, Faculty of Unani Medicine, Aligarh Muslim University, Aligarh organized a six-day continuing medical education (CME) programme on *'Ilāj bi'l Tadbīr* (Regimen Therapy) during 6–11 March 2017 at Aligarh. The CME was attended by researchers from the Council's Regional Research Institute of Unani Medicine, Aligarh.

The programme aimed to highlight the importance of 'Ilāj bi'l Tadbīr in Unani Medicine, its role in the maintenance of health and management of diseases and relevance in the modern world. Besides the inaugural session, the programme had twelve lectures and practical sessions on various modalities of 'Ilāj bi'l Tadbīr. The trainers included Prof. Mushtaq Ahmad, Prof. Ghazala Mulla, Prof. S Nafees Bano, Prof. Anis Ismail, Prof. Abdul Qawi, Prof. Arun Mukherjee, Prof. Brij Bhushan Singh and Prof. Anis Ahmad Ansari. The programme was attended by 30 selected participants including researchers from the CCRUM.

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter *is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the* CCRUM Newsletter *and provided such reproduction is not used for commercial purposes.*

Editor-in-Chief
Anil Khurana

Executive Editor
Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board
Naheed Parveen
Ghazala Javed
T Mathiyazhagan
Shabnam Siddiqui

Editorial Office:
CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN UNANI MEDICINE
61-65, Institutional Area, Opp. 'D' Block, Janakpuri, New Delhi - 110 058 (India)
Telephone : +91-11/28521981, 28525982, 28525983, 28525831, 28525852, 28525862, 28525883, 28525897, 28520501, 28522524
Fax : +91-11/28522965
E-mail: unanimedicine@gmail.com
Website: http://ccrum.res.in

Printed at: India Offset Press, A-1, Industrial Area, Phase - I, Mayapuri, New Delhi - 110064